राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 21 अप्रैल 2025 वर्ष-8,अंक-61 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से भीषण तबाही

रामबन में बाढ़ और भूस्खलन से 3 की मौत,100 लोगों का रेस्क्यू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। उधर, रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड घटनाएं हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं।

किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है। लैंडस्लाइड के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है। कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। एक वीडियो में तीन-चार टैंकर और कुछ अन्य गाड़ियां मलबे में पूरी तरह दबी हुई दिख रही हैं। इसके अलावा होटल और घर भी मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं। रामबन जिले में चेनाब नदी के पास धर्मकुंड गांव लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया है। 10 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए, 25-30 घरों में भी नुकसान हुआ है। धर्मकुंड पुलिस ने करीब 90-100 लोगों को सुरक्षित बचाया।

आज से भारत के चार दिवसीय दौरे पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति

- दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर के दर्शन करेंगे,पीएम मोदी से मिलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस 21 अप्रैल को भारत के चार दिन के दौरे पर आ रहे हैं। उनके साथ उनकी पत्नी उषा वेंस और तीनों बच्चे भी इस ट्रिप पर आएंगे। वे इटली का दौरा कर भारत आ रहे हैं। सोमवार सुबह 10 बजे जेडी वेंस दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर लैंड करेंगे। इसके बाद वे अक्षरधाम मंदिर जाएंगे और पारंपरिक

भारतीय हस्तशिल्प देखने किसी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स भी जाएंगे। इस दौरे पर जेडी वेंस पीएम मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, एनएसए अजित डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अमेरिका में भारतीय दूत विनय मोहन क्वात्रा से मुलाकात करेंगे। पीएम मोदी जेडी वेंस के लिए डिनर आयोजित करेंगे। इसके बाद वेंस सोमवार रात को ही जयपुर रवाना होंगे, जहां वे मंगलवार को रुकेंगे। बुधवार को वे आगरा घूमने जाएंगे। अमेरिका का उपराष्ट्रपति बनने के बाद ये जेडी वेंस का पहला आधिकारिक भारत दौरा है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी पत्नी उषा,उनके तीन छोटे बच्चे इवान, विवेक, मीराबेल साथ रहेंगे।

'दिल्ली को लंदन-पेरिस जैसी नहीं इंद्रप्रस्थ बनाएंगे

- रेखा के मंत्री प्रवेश वर्मा का बड़ा बयान, कहा-युधिष्ठिर की राजधानी बनाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग एवं जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि हम दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा नहीं करते हैं। हम देश की राजधानी दिल्ली को युधिष्ठिर की राजधानी जैसी थी, वैसी बनाने का वादा करते हैं। दिल्ली सरकार द्वारा 1111 जीपीएस सिस्टम से लैस पानी के टैंकरों को

रविवार को बुराड़ी स्थित संत निरंकारी मैदान से रवाना करते हुए मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि आज जो आप देख रहे हैं, वह हमारी सरकार के सुशासन और पारदर्शिता मॉडल का परिणाम है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यह टैंकर पहले भी चलते थे लेकिन अब टैंकर को ट्रैक भी किया जा सकेगा। पहले टैंकर माफिया शब्द चलता था हमने इसको दिल्ली जल बोर्ड आईटी डैशबोर्ड से जोड़ दिया है। वर्मा ने कहा कि दिल्ली में गर्मी के मौसम में पानी की मांग काफी बढ़ जाती है। पिछले 10 साल की 'आपदा' की सरकार और 10 हफ्ते की रेखा सरकार आज दिखा रही है कि क्या हो सकता है।

बदल गए जज्बात...झूम उठा शेयर बाजार

भारतीय बाजार में कूदे विदेशी निवेशक,तीन दिन में झोंके 15,000 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी की है। कुछ हफ्तों तक किनारे रहने के बाद तीन दिन में लगभग 15,000 करोड़ रुपये का निवेश किया। लगातार नौ दिनों तक बिकवाली करने के बाद यह बदलाव बाजार के लिए एक बड़ा सहारा बन

- फाइनेंस, टेलीकॉम और एविएशन को हो सकता है फायदा, मस्ती में बाजार

गया है। इसकी वजह से सेंसेक्स में सिर्फ तीन दिन में लगभग 3,400 अंकों की तेजी आई है। यह हाल के दिनों में सबसे तेज उछाल है। हालांकि इस की खरीदारी के बावजूद निवेशक अब भी अप्रैल में शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। महीने के लिए कुल आउटफ्लो अब भी 18,000 करोड़ रुपये से ऊपर है। लेकिन भारतीय इक्विटी में विदेशी निवेश कई साल के निचले स्तर पर आ गया था। इसलिए अगर बाजार का माहौल ठीक रहता है, तो यह कमी एक और खरीदारी की लहर पैदा कर सकती है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटजिस्ट डॉ. वीके विजयकुमार के अनुसार ने कहा कि निवेशकों की गतिविधि में यह बदलाव दो मुख्य कारणों से हुआ है। पहला, डॉलर इंडेक्स गिरकर लगभग 100 के स्तर पर आ गया है। डॉलर के और कमजोर होने की उम्मीद निवेशकों को अमेरिका से दूर भारत जैसे उभरते बाजारों की ओर धकेल रही है। दूसरा, अमेरिका और चीन दोनों की विकास दर इस साल कम रहने की संभावना है। वहीं, भारत की जीडीपी विकास दर वित्त वर्ष 2026 में 6 फीसदी रहने की उम्मीद है। यह बेहतर प्रदर्शन भारत को वैश्विक पूंजी के लिए एक आकर्षक जगह बना सकता है। निवेशकों का ध्यान घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों जैसे कि फाइनेंस, टेलीकॉम, एविएशन, सीमेंट, कुछ ऑटो कंपनियों और हेल्थकेयर स्टॉक्स पर रहने की संभावना है। उभरते बाजारों के लिए निवेशकों की पसंद बेहतर होगी।

ट्रंप के खिलाफ अमरीका के सभी 50 राज्यों में प्रदर्शन

वाशिंटन डीसी में हजारों लोगों ने राष्ट्रपति आवास घेरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया।

लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन है। प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूमों का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है।

इतिहास को इतिहास रहने दें,हम वक्फ बिल के खिलाफ

- औरंगजेब विवाद, बीजेपी पर अखिलेश यादव का बड़ा हमला

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे समाजवादी पार्टी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने कहा कि हम हमेशा

वक्फ बिल के खिलाफ रहे हैं। वहीं, औरंगजेब और राणा सांगा विवाद के गहराने को लेकर भी भाजपा को घेरा। उन्होंने इन मामलों को इतिहास में रहने देने की बात कही। भाजपा को भूमाफिया पार्टी बनने का दावा किया। वहीं, यूपी में दलित उत्पीड़न के बढ़ते मामलों को लेकर वे योगी सरकार को घेरते दिखे।

चीन में रोबोट्स ने 21 किमी तक इंसानों से लगाई रेस

- सबसे तेज दौड़ रहा रोबोट भी 1.30 घंटा इंसानों से पीछे रहा

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की राजधानी बीजिंग में शनिवार को इंसानों और 21 रोबोट्स के बीच अनोखी हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब मशीनों ने 21 किलोमीटर (13 मील) की दूरी तक इंसानों

के साथ दौड़ लगाई। ये इवेंट बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों का ऑफिस है। इसका मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस रेस में हिस्सा लिया। रेस में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी (3.9 फीट) से कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर (5.9 फीट) तक ऊंचे थे।

मोदी-नीतिश की जोड़ी बिहार के विकास नहीं कुर्सी के लिए

बक्सर में खड़गे बोले-राहुल-प्रियंका गांधी को डराने की कोशिश हो रही, मोदी सरकार के 11 झूठ गिनाए

बक्सर (एजेंसी)। बक्सर में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- मोदी-नीतिश की जोड़ी सिर्फ कुर्सी के लिए हैं। बिहार के विकास के लिए नहीं है। एक बार हमारी गोद में आते हैं, फिर लगा कि बीजेपी आनेवाली है तो नीतिश इधर से उधर चले जाते हैं। ये देश के लिए सही नहीं है। खड़गे आज यानी रविवार को एक दिन के दौरे पर बिहार के बक्सर पहुंचे थे। अपने 50 मिनट के भाषण में कांग्रेस अध्यक्ष ने नेशनल हेराल्ड केस, वक्फ कानून, मोदी सरकार के वादे और नीतिश कुमार के दल बदलने पर निशाना साधा। उन्होंने गांधी परिवार की कुर्बानी याद दिलाई, साथ ही केंद्र सरकार के 11 झूठ

भी गिनवाएं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी समझते हैं कि बिहार वालों को ज्ञान की कमी है। जबकि सारे ज्ञानी लोग बिहार की भूमि से आते हैं। वसूलों पर चलते हैं। खड़गे ने कहा- मोदी जी ने जबरन वक्फ कानून बनाया। जहां सालों से झगड़ा नहीं था, अब वहां झगड़ा करना चाहते हैं। आरएसएस-बीजेपी गरीबों, पिछड़ों, महिलाओं के दोस्त हो नहीं सकते। मनु स्मृति में लिखा है कि महिलाओं को शिक्षित नहीं करना चाहिए। पवित्र काम में शामिल नहीं करना चाहिए।

जबकि बाबा साहेब ने इन्हें सम्मान दिया। नेशनल हेराल्ड केस का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि नेशनल हेराल्ड समेत 3 न्यूज पेपर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भारतीयों की आवाज अंग्रेजों तक पहुंचाने के लिए निकाला। आज उसके चेयरमैन पर केस किया गया है।

मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं

खड़गे ने कहा कि मोदी जी हमें दुश्मन की तरह देखते हैं। इसलिए राहुल-सोनिया जी, वाड्रा पर केस किया। नेशनल हेराल्ड केस के जरिए कांग्रेस को खत्म करने की साजिश बीजेपी ने रची है। वो सोचते हैं नेशनल हेराल्ड केस में परेशान करेंगे तो वो चुप बैठेंगे और पार्टी का मनोबल टूटेगा। ये लोग ईडी, और दूसरी जांच एजेंसी का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन कांग्रेस रुकने और झुकने वाली नहीं है। पीएम मोदी ने वादा किया था कि 2 करोड़ नौकरियां हर साल देंगे। 11 साल हो लेकिन 22 करोड़ नौकरियां कहां है। नीतिश कुमार से जनता को पूछना चाहिए कि आप और आपके दोस्त नौकरी देने वाले थे। वो नौकरी कहां है। बिहार के युवा नौकरी के लिए बाहर जाते हैं। खड़गे ने जनसभा में पीएम मोदी के पुराने भाषण को सुनाया। जिसमें वो सवा लाख करोड़ के विशेष पैकेज की घोषणा बिहार के लिए करना चाहता हूं। लेकिन क्या आपको एक लाख 25 हजार करोड़ का पैकेज मिला।

मुर्शिदाबाद हिंसा

बाप-बेटे की हत्या मामले में अब चौथी गिरफ्तारी

आरोपी ने मृतक के घर की थी तोड़फोड़,भीड़ को उकसाया था

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में हिंसक प्रदर्शन के दौरान एक बाप-बेटे की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। यह मामले में चौथी गिरफ्तारी हैं। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जाफराबाद के पड़ोसी गांव सुलिताला पुरबापारा निवासी जियाउल शेख के रूप में हुई है। आरोपी 12 अप्रैल से फरार था।

शेख को पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल और विशेष जांच दल ने शनिवार को उसके ठिकाने से गिरफ्तार किया था। पुलिस के अनुसार, यह व्यक्ति मुख्य आरोपियों में से एक है, जिसने मृतक के घर तोड़फोड़ करने के लिए भीड़ को उकसाया था और 12 अप्रैल को हरगोबिंदो दास और उनके बेटे चंदन दास की हत्या कर दी।

राज्यपाल ने पीड़ितों को फोन नंबर उपलब्ध कराया

17 अप्रैल को कलकत्ता हाईकोर्ट ने हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती जारी रखने के आदेश सुरक्षित रख लिया। हाईकोर्ट ने सुझाव दिया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, पश्चिम बंगाल राज्य मानवाधिकार आयोग और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से एक-एक सदस्य वाला पैनल हिंसा प्रभावित इलाकों का दौरा करे। जिसके बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने 19 अप्रैल को मुर्शिदाबाद का दौरा किया था। राज्यपाल हिंसा में जान गंवाने वाले लोगों के परिवार से भी मिले।

ईसीआई का वोटर्स लिस्ट से डुप्लीकेसी हटाने के लिए अभियान

- शुरुआत बिहार चुनाव से होगी, 22 करोड़ वोटर्स आधार से लिंक नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग वोटर्स लिस्ट को साफ सुथरा बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कवायद करने जा रहा है। इसके लिए मतदाता पहचान पत्र को आधार से

जोड़ने पर सहमति बन चुकी है, लेकिन इसकी शर्त को पूरा करने के लिए उन वोटर्स से कारण जानना जरूरी है, जिन्होंने अभी तक अपना आधार नंबर वोटर रजिस्ट्रेशन के लिए नहीं दिया है। आयोग के पास अभी तक 66 करोड़ मतदाताओं के आधार एपिक नंबर (इलेक्टर्स फोटो आइडेंटिटी कार्ड नंबर) से लिंक्ड हुए हैं।

भारत-फ्रांस 28 अप्रैल को साइन करेंगे 26 राफेल-मरीन जेट डील

- 64 हजार करोड़ में फाइनल हुई,दोनों देशों के बीच यह अब तक का सबसे बड़ा सौदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और फ्रांस 28 अप्रैल को 26 राफेल मरीन फाइटर जेट के लिए अब तक के सबसे बड़े रक्षा सौदे पर हस्ताक्षर करेंगे। डील पर साइन फ्रांसीसी रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकॉर्नू की मौजूदगी में होंगे। रक्षा सूत्रों के मुताबिक 64 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की डील पर साइन करते समय दोनों पक्षों का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिकारी करेंगे। यह कार्यक्रम साउथ ब्लॉक में रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय के बाहर भी आयोजित करने की योजना है। फ्रांसीसी मंत्री का 27 अप्रैल की शाम को भारत पहुंचने और अगले दिन लौटने का शेड्यूल है। गौरतलब है कि भारत ने 9 अप्रैल को गवर्नमेंट-टु-गवर्नमेंट डील के तहत पीएम मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में फ्रांस के साथ 26 राफेल-मरीन लड़ाकू विमानों के लिए सौदे को मंजूरी दी थी। इस सौदे में

22 सिंगल-सीटर, 4 ट्विन-सीटर जेट शामिल होंगे। साथ ही बेड़े के रखरखाव, लॉजिस्टिक सपोर्ट, पर्सनल ट्रेनिंग और स्वदेशी निर्माण वाला पैकेज भी शामिल होगा। ये सभी 26 मरीन राफेल जेट आईएनएस विक्रांत से ऑपरेट होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खाद्य और जल सुरक्षा को गंभीर चुनौती

ग्लेशियर संकट

ज्ञानेन्द्र रावत

ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना वैश्विक जलवायु संकट का गंभीर संकेत है। यूनेस्को की विश्व जल विकास रिपोर्ट 2025 के अनुसार, यदि यह प्रक्रिया यूं ही जारी रही तो इसके परिणाम विनाशकारी होंगे। इससे दो अरब से अधिक लोगों को पानी और भोजन की भारी किल्लत झेलनी पड़ सकती है। ग्लेशियर पृथ्वी के जल चक्र को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, और इनके पिघलने से नदियों का अस्तित्व संकट में पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियरों का तेजी से पिघलना और पर्वतीय क्षेत्रों में घटती बर्फबारी पूरी दुनिया की खाद्य और जल सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुकी है। दुनिया में मौजूद 2.75 लाख से अधिक ग्लेशियरों का सात लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र जलवायु परिवर्तन की मार झेल रहा है। संयुक्त राष्ट्र और विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, सभी 19 ग्लेशियर क्षेत्रों में लगातार तीन वर्षों से नुकसान देखा गया है, जिनमें नार्वे, स्वीडन और स्वालबार्ड जैसे क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हैं। कोलोराडो नदी का सूखना इस संकट की भयावहता को दर्शाता है। यूनेस्को के अनुसार, दुनिया के 70 फीसदी पेयजल का स्रोत ग्लेशियर ही हैं और इनके विलुप्त होने से जल संकट और भी विकराल हो सकता है।

नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है।

नासा और नेशनल स्नो एंड आइस डेटा सेंटर के शोध के अनुसार वर्ष 2010 से अब तक आर्कटिक और अंटार्कटिका की बर्फ में लाखों वर्ग किलोमीटर की कमी आ चुकी है। वर्तमान में वहां केवल 143 लाख वर्ग किलोमीटर बर्फ शेष रह गई है, जो 2017 के रिकॉर्ड निचले स्तर से भी कम है। वर्ष 2000 से 2023 के बीच ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से हर साल करीब 270 अरब टन बर्फ पिघल रही है, जो वैश्विक आबादी द्वारा 30 वर्षों में उपयोग किए जाने वाले पानी के बराबर है। नासा के वैज्ञानिक लिनेन बोइसवर्ट के अनुसार, अगली गर्मियों में और भी कम बर्फ बचने की आशंका है। इसका मुख्य कारण मानवीय गतिविधियों द्वारा तापमान में हुई वृद्धि है, विशेषकर जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक उपयोग से। जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, ग्लेशियर बनने की तुलना में कहीं अधिक तेजी से पिघलते हैं, जिससे उनका अस्तित्व खतरे में पड़ रहा है। यह संकट केवल बर्फ के खत्म होने का नहीं, बल्कि पृथ्वी पर जीवन के अस्तित्व पर मंडराते खतरे का संकेत है।

सरकारी रिपोर्टों और वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, हिमालयी ग्लेशियर जलवायु परिवर्तन के कारण अलग-अलग दरों से तेज़ी से पिघल रहे हैं। यह न केवल पर्यावरणीय असंतुलन का संकेत है, बल्कि दक्षिण एशिया की लगभग 160 करोड़ आबादी के लिए जल संकट और प्राकृतिक आपदाओं का खतरा भी बढ़ा रहा है। करीब 33,000 वर्ग किलोमीटर में फैले ये ग्लेशियर ताजे पानी के विशाल भंडार हैं, जिन पर गंगा, सिंधु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियों की जलापूर्ति निर्भर करती है। इन्हें 'एशिया की जल मीनार' और 'दुनिया का तीसरा ध्रुव' कहा जाता है। बीते 40 वर्षों में 440 अरब टन बर्फ हिमालय से पिघल चुकी है, और केवल वर्ष 2010 में ही 20 अरब टन बर्फ का नुकसान हुआ। यह स्थिति और भी चिंताजनक तब हो जाती है जब वैज्ञानिक चेतावनी देते हैं कि यदि वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होती है तो सदी के अंत तक एक-तिहाई और यदि यह वृद्धि 2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचती है तो दो-तिहाई हिमालयी ग्लेशियर समाप्त हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने चेतावनी दी कि नेपाल के पहाड़ों से एक-तिहाई बर्फ पहले ही खत्म हो चुकी है। भारत और चीन जैसे प्रमुख कार्बन उत्सर्जकों के बीच बसे इस क्षेत्र में नेपाल के ग्लेशियर 65 फीसदी तक पिघल चुके हैं, और अगर यही हाल रहा तो हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र के 75 फीसदी ग्लेशियर इस सदी के अंत तक नष्ट हो सकते हैं। ग्लेशियरों के इस संकट से यह स्पष्ट है कि अब समय शब्दों का नहीं, कार्यों का है। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता खत्म करना, वैश्विक तापमान वृद्धि को सीमित करना और जल स्रोतों को संरक्षित करना मानवता की सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। आर्यभट्ट प्रेक्षण एवं विज्ञान शोध संस्थान नैनीताल एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के अध्ययन से पता चला है कि हिमालय में वायु प्रदूषण का मुख्य कारण जीवाश्म ईंधनों का बढ़ता उपयोग है, विशेषकर वाहनों की बढ़ती संख्या के कारण। हिमालयी क्षेत्र अब शहरीकरण और जनसंख्या दबाव से जूझ रहा है। वहीं, ग्लोबल वार्मिंग से पिघलते ग्लेशियरों के कारण बन रही झीलें गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। इसरो के अनुसार, हिमालय की 2,432 ग्लेशियर झीलों में से 672 का आकार तेजी से बढ़ रहा है, जिनमें भारत की 130 झीलें संभावित टूटने के कगार पर हैं। यह स्थिति आने वाली भीषण प्राकृतिक आपदाओं का संकेत है। यह सच है कि बढ़ते तापमान और जलवायु परिवर्तन ग्लेशियरों के विनाश का प्रमुख कारण बन रहे हैं। यह केवल बर्फ के पिघलने का संकट नहीं, बल्कि एक विनाशकारी सुनामी की तरह है जो पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, द्वीप और तटीय इलाके डूब रहे हैं, बाढ़ और सूखा बढ़ रहे हैं, और नदियां संकट में हैं।

हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव लाने के साथ-साथ हिमालय क्षेत्र में मानवीय हस्तक्षेप पर अंकुश, जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण करना होगा, ताकि हम कुछ सकारात्मक बदलाव देख सकें। अन्यथा, वह दिन दूर नहीं जब पानी की कमी, सूखे और नदियों का खात्मा हमारे जीवन का हिस्सा बन जाएगा। ग्लेशियरों को बचाना सिर्फ बर्फ को बचाना नहीं, बल्कि अपनी आने वाली पीढ़ियों और जीवन के अस्तित्व को बचाना है।

लेखक पर्यावरणविद हैं।

संपादकीय

बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा।

कशमीर की घाटियों से बर्फीली वादियों में गलवादियाँ करेगी वंदे भारत

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र हमारा देश भारत जहाँ भिन्न भिन्न भाषा,धर्म जाति का चेहता देश,जो सम्पूर्ण विश्व को विविधता में एकता का संदेश देते हुए जीवन जीने का गुरू रहस्यो का तरीका व सलीका सिखाता है ।जी हाँ हमारा व आप का प्यारा देशहै ।जिसकी पहचान आज विश्व के मानचित्र में पहचान भारत के रूप अपना प्रच्चम फहरा रहा है। जिसकी अप्रैल की हल्की ठंडक और वसंत की खिलती बहार... हिमालय की बर्फीली चोटियाँ,सेब के पेड़ों पर गुलाबी फूलों की चादर,और मैदानों की हरी घास,यह सब अब सिर्फ मात्र अब कल्पना नहीं रहेगा ।क्योंकि अब जल्द ही, इसका आनंद आप अपनी आंखों से देख सकते है। इसके लिए आप को जल्द ही जम्मु कश्मीर चलने के लिए तैयार रहना होगा। आप सोच रहे होगें कि कशमीर में तो अभी सर्दी व बर्फीले हवाओं से समाना करना पडेगा ।तो आप को बता दें कि रेलवे ने जम्मू कश्मीर के विषय परिस्थितियो को ध्यान में रखते हुए स्पेशल डिजाइंड किया है। वह भी अपने यात्रियो के सु:ख सुविधाओं का ध्यान में रखते हुए। जिसका नाम वंदे भारत ट्रेन दिया गया है ।आप इसी वंदे भारत ट्रेन में बैठकर कशमीर की घाटियों व वादियों का नजदीक से देख सकेंगे। सर्व विदित रहे कि जैसे ही यह ट्रेन पहलगाम की घाटियों से गुजरेगी, हरियाली से सजी वादियाँ,दूर तक फैले चीड़ के जंगल और चरवाहों की झलक आपको एक लम्हे में रोक देंगे। वही देवदार की खामोशी को चीरती वंदे भारत की तेज रफ्तार - तकनीक और प्रकृति का अद्भुत संगम जल्द ही आपको देखने को मिलगी। जहाँ इंजीनियरिंग का कमालमेक इन इंडिया के तहत इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (द्बष्टस्न) में बनी यह ट्रेन आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस है,जो बिजली सी चलती है ।मगर सुरक्षित और आरामदायक सफर की मिसाल है। यह सफर हर भारतीय को गर्व से भर देगा ।यहाँ पर आप के मन प्रश्न उठना स्वाभाविक है - क्या यह वंदे भारत ट्रेन कश्मीर की घाटियो व हिमालय की वादियों व विपरीत परिस्थितियों के अनकुल है ।मै स्पष्ट कर दुँ कि यह वंदे भारत एक्सप्रेस विश्वसनीयता,सुरक्षा और यात्रियों के आराम को सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक एवं उन्नत सुविधाओं से युक्त है ।इस वंदे भारत ट्रेन को कश्मीर घाटी की कठिन जलवायु परिस्थितियों में सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए खास तौर पर डिजाइन किया गया है ।जिससे अब हर मौसम में कश्मीर घाटी तक पहुंचना आसान होगा और वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत,क्षेत्र में यात्री सेवाएँ एवं पर्यटन अनुभव बेहतर बनाएगी ।जम्मू- कश्मीर जैसे सर्द मौसम वाले क्षेत्र में सुचारू रेल संचालन सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में विशेष तकनीकी सुविधाएँ प्रदान की गई हैं ।सिलिकॉन हीटिंग पैड- यह वॉटर और बायो-टॉयलेट टैंकों में पानी को जमने से रोकेंगे ।साथ ही,इनमें ओवरहीट प्रोटेक्शन सेंसर लगे हैं,जो यह सुनिश्चित करता है कि शून्य या माइनस तापमान में भी रेल संचालन सुचारू रूप से हो ।हीटेड प्लंबिंग पाइपलाइन- जीरो डिग्री से भी कम तापमान में सेल्फ-रेगुलेटेड हीटिंग केबल्स पानी को जमने से रोकेंगे।

ऑटो-ड्रेनिंग मैकेनिज्म- प्लंबिंग लाइनों में पानी के जमने की समस्या को रोकेगा, जिससे संचालन में कोई बाधा नहीं आएगी। वंदे भारत ट्रेन में

यात्रा होगी सुगम और सुरक्षित

कश्मीर की कठिन परिस्थितियों में ड्राइवर की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए इस वंदे भारत ट्रेन में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग किया गया है,जिससे सुगम यात्रा संभव होगी ।इसके लिए एंबेडेड हीटिंग एलिमेंट- फ्रंट लुकआउट ग्लास में लगाए गए यह एलीमेंट सर्द मौसम में विंडशील्ड को डी-फ़्रॉस्ट कर ड्राइवर को क्लियर.विज़न प्रदान करेंगे,जिससे सुरक्षित व सुगम ट्रेन संचालन हो सकेगा ।एंटी-स्पॉल लेयर- बर्फबारी या आंधी जैसे कठिन मौसम के दौरान यह लेयर ड्राइवर को सुरक्षित ट्रेन के संचालन में सहायता करेगा।

सुरक्षित और आरामदायक वर्क एनवायरनमेंट- ट्रेन को कठिन मौसम परिस्थितियों से निपटने के लिए स्पेशल रूप से डिज़ाइन किया गया है। इस वंदे भारत ट्रेन के सुचारू संचालन और यात्रियों के आराम के लिए कई तकनीकी सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं- -एयर ड्रायर सिस्टम हीटिंग- अत्याधिक ठंड में एयर ब्रेक सिस्टम की दक्षता बनाए रखेगा ।साथ ही, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग **(HVAC)** डक्ट्स द्वारा यात्रियों की आराम दायक यात्रा सुनिश्चित की गई है ।5 **kVA** ट्रांसफॉर्मर- ट्रेन के महत्वपूर्ण घटकों के सुचारू संचालन और ठंडे मौसम में उनकी दक्षता बनाए रखने के लिए इसे अंडरफ्रेम में विशेष रूप से स्थापित किया गया है ।पूर्ण वातानुकूलित कोच- सेमी-हाई-स्पीड क्षमताओं (160 किमी प्रति घंटे) से लैस होंगे, जिससे तीव्र और समयबद्ध यात्रा संभव होगी ।आधुनिक सुविधाएँ- चौड़े गैंगवे, स्वचालित प्लग डोर, मोबाइल चार्जिंग सॉकेट, इंफोटेनमेंट सिस्टम और सीसीटीवी जैसी सुविधाएँ यात्रियों के अनुभव को सुगम बनाएंगी।

(चिंतन-मनन)

सबसे अच्छा सखा है ज्ञान

आत्मा ही आनन्द का स्वरूप है। किसी भी सुखद अनुभूति में तुम आंखे मूंद लेते हो। जैसे जब किसी फूल को सूंघते हो, कोई स्वादिष्ट खाना चखते हो या किसी वस्तु को स्पर्श करते हो। दुख का केवल यही अर्थ है कि तुम अपरिवर्तनशील आत्मा पर केन्द्रित होने के बदले विषयवस्तु में फंसे हो, जो परिवर्तनशील है। सभी इन्द्रियां केवल डाइविंग बोर्ड की भांति हैं जो तुम्हें वापस आत्मा तक पहुंचाती हैं। स-खा का अर्थ है वह ही इन्द्रिय है। सखा वह है जो तुम्हारी इन्द्रिय बन गया है, जो तुम्हारी इन्द्रिय ही है। यदि तुम मेरी इन्द्रिय हो, इसका मतलब तुम्हारे द्वारा मुझे ज्ञान मिलता है, तुम मेरी छठी इन्द्रिय हो। जैसे मैं अपने मन पर विश्वास करता हूं, वैसे ही मैं तुम पर विश्वास करता हूं। एक मित्र केवल इन्द्रिय-विषय हो सकता है, परन्तु सखा स्वयं इन्द्रिय बन जाता है। सखा वह साथ है जो सुख और दुःख, दोनों अनुभवों में साथ रहता है। सखा वह है जो तुम्हें आत्म स्थित करता है, यदि तुम किसी विषय वस्तु में फंसे हो। जो ज्ञान तुम्हें वापस आत्मा की ओर लाता है, वही सखा है। ज्ञान तुम्हारा साथी है और गुरु केवल ज्ञान के प्रतिरूप हैं। सखा का अर्थ है, वह मेरी इन्द्रियां हैं। मैं संसार को उसी ज्ञान के द्वारा, उनके माध्यम से देखता हूं। यदि तुम्हारी सोच देवी है, तो तुम समस्त संसार को दिव्य दृष्टि से देखोगे। कुछ वर्षो में तुम्हारा मस्तक मिट्टी में होगा, जीते जी तो अपना सर कीचड़ से मत भरो। मेरा पीछा न करो। वास्तव में तुम मेरा पीछा कर भी नहीं सकते, क्योंकि मैं तो तुम्हारे पीछे हूं, तुमको आगे ठेलने के लिए। तुम्हें सब-कुछ पीछे छोड़ देना है और आगे बढ़ना है। सब कुछ तुम्हारे सभी अनुभव, तुम्हारे नाते-रिश्ते-भूत काल के हिस्से हैं। सब-कुछ छोड़ दो। अपनी स्मृतियों के सम्पूर्ण संसार को पीछे छोड़ दो। मुझको भी। आगे बढ़ो और मुक्त हो जाओ। कुछ और खोजना बन्द करो- तब तुम मुक्त होगे और तुममें अनुकम्पा उभरेगी।

विचार मंथन

50 राज्यों के प्रदर्शनकारियों ने ट्रंप के आवास को घेरा

(लेखक - सनत जैन)

50 राज्यों में 50 विरोध एक आंदोलन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके कारोबारी मित्र एलोन मस्क के खिलाफ अमेरिका के सभी राज्यों में प्रदर्शन हो रहे हैं। दूसरी बार राष्ट्रपति पद पर 3 महीने भी पूरे नहीं हुए। विरोध प्रदर्शन का यह ताँता राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस पहुंच गया है। सभी 50 राज्यों से आए प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास को घेर लिया है। प्रदर्शनकारी ट्रंप के ऊपर आरोप लगा रहे हैं। ट्रंप की टैरिफ बार से अमेरिका के सभी राज्यों में महंगाई बढ़ा दी है। सरकारी नौकरियों में छंटनी की जा रही है। लाखों अमेरिकी नागरिक पिछले 3 माह में बेरोजगार हो गए हैं। ट्रंप ने अप्रवासियों के खिलाफ जो कार्रवाई की है, उससे जनता नाराज है। ट्रंप की नीतियों के कारण पिछले 3 महीने में अमेरिका में महंगाई तेजी के साथ बढ़ाना शुरू हो गई है। वहीं बेरोजगारी भी बढ़ती चली जा रही है। सबसे ज्यादा परेशानी सरकारी नौकरियों के जाने से अमेरिका के नागरिकों को उठानी पड़ रही है। अमेरिका में एलन मस्क और उनकी कंपनियों के खिलाफ भी अमेरिका के सभी 50 राज्यों में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। यह स्थिति अमेरिका में पहली बार देखने को मिल रही है। राष्ट्रपति के रूप में ट्रंप द्वारा जो आदेश जारी किए जा रहे हैं। उनमें से अधिकांश असंवैधानिक हैं। ट्रंप द्वारा मनमानी की जा रही है। अमेरिका की न्यायपालिका ने राष्ट्रपति ट्रंप के कई आदेशों पर रोक लगा दी है। अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ इनसाइडर ट्रेडिंग के भी आरोप लगे हैं। राष्ट्रपति पद की शपथ डोनाल्ड ट्रंप ने ली है। उसके बाद से डोनाल्ड ट्रंप की फैमिली के बिजनेस में भारी वृद्धि हो रही है। इसको लेकर अमेरिका के नागरिकों में जबरदस्त विरोध देखने को मिल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप विश्व गुरु बनना चाहते हैं। टैरिफ युद्ध के माध्यम से उन्होंने अमेरिका को कर्ज मुक्त करने का सपना देखा। ट्रंप को लगता है उनसे ज्यादा समझदार व्यक्ति अमेरिका और दुनिया में और कोई नहीं है। ट्रम्प आक्रमक होकर अमेरिका के साथ-साथ दुनिया के सारे देशों को यह बताना चाहते थे। राष्ट्रपति बनने के बाद अमेरिका के मूल नागरिकों का अमेरिका पर अधिकार होगा, अप्रवासियों को अमेरिका से भगाया जाएगा। टेरिफ के माध्यम से अमेरिका की आय कई गुना बढ़ेगी। अमेरिका कर्ज मुक्त होगा, अमेरिका के नागरिकों की बल्ले बल्ले होगी। ट्रम्प ने 3 महीने में जो किया है। उनकी सारी कार्रवाई उल्टी पड़ती हुई दिख रही है। जिस तरह के हालात अमेरिका में बन गए हैं। उसके बाद जो उनके समर्थक थे, वह भी उनका साथ छोड़ते हुए नजर आ रहे हैं। उनकी ही पार्टी में विद्रोह की स्थिति बन रही है। हाल ही में जो सर्वे हुआ है। उसमें ट्रंप की पिछले तीन माह के कार्यकाल में दो फ़ीसदी से ज्यादा लोकप्रियता में गिरावट आई है। 1952 से लेकर 2020 के बीच में अमेरिका के जितने भी राष्ट्रपति बने हैं। उनकी रेटिंग औसतन 60 फ़ीसदी से कम नहीं थी। ट्रंप की लोक प्रियता घटकर मात्र 45 फ़ीसदी रह गई है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बड़ी तेजी के साथ वातावरण बन रहा है। उनके ऊपर आर्थिक लाभ लेने के आरोप भी लग रहे हैं। ऐसी स्थिति में अब महाभियोग लाने जैसी संभावनाएं भी अगले कुछ महीने में बन सकती हैं। ट्रम्प अमे रिका के पहले राष्ट्रप ति हैं जो अदालत से सजायाप्ता हैं। जिस तरह से अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के सभी राज्यों और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य देशों द्वारा चुनौती दी जा रही है। उसको लेकर कहा जाने लगा है, डोनाल्ड ट्रंप जिद्दी है। वह किसी भी बात को सुनते नहीं है। बार-बार अपने निर्णय को बदल देते हैं। जिसके कारण उनके खिलाफ जनरोष सड़कों पर देखने को मिल रहा है। अमेरिका में पहली बार 50 राज्यों मे ट्रंप की नीतियों को लेकर एक साथ प्रदर्शन हो रहा है। व्हाइट हाउस को घेर लिया गया है। ऐसी स्थिति में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यदि समय रहते ठोस निर्णय नहीं लिए तो आगे चलकर उनको अपने पद पर बने रहना मुश्किल होगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़-बोलेपन के कारण उन्हें कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह चर्चा होने लगी है। जिस तरह से सोवियत रूस का विघटन हुआ था, डोनाल्ड ट्रंप जिस तरीके के निर्णय ले रहे हैं। उसके बाद अमेरिका विघटन की ओर जाता हुआ दिख रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीएचईएल का राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने रविवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान उसका राजस्व 19 प्रतिशत बढ़कर 27,350 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने बयान में कहा कि उसने बीते वर्ष के दौरान 92,534 करोड़ रुपये का अबतक का सबसे अधिक ऑर्डर भी हासिल किया। इसके साथ ही, वित्त वर्ष 2024-25 के अंत में बीएचईएल की कुल ऑर्डर बुक 1,95,922 करोड़ रुपये हो गई। बयान के अनुसार भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 27,350 करोड़ रुपये (अस्थायी) का राजस्व दर्ज किया, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की तुलना में लगभग 19 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि बिजली क्षेत्र में उसने 81,349 करोड़ रुपये के ऑर्डर हासिल कर अपनी अग्रणी स्थिति बनाए रखी। औद्योगिक खंड में 11,185 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले।

एचडीएफसी बैंक ने जारी किए नतीजे, डिविडेंड देने का भी ऐलान

- बैंक में वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी गई

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में एचडीएफसी बैंक ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई है जब वह वित्त वर्ष 2025 के चौथे तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक ने नेट प्रॉफिट में अनुमान से अधिक बढ़ोतरी दर्ज कराई है, जिस कारण उसने अपने शेयरहोल्डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। बैंक ने साल दर साल आधार पर वित्त वर्ष 2025 के मार्च तिमाही में 6.7 फीसदी की ग्रोथ देखी है, जो नेट प्रॉफिट को 17,616 करोड़ रुपये पहुंचाती है। इस ग्रोथ दर की वर्तमान चली दुर्गम परिस्थितियों में बैंक की मजबूती को दर्शाती है। बोर्ड ने डिविडेंड का ऐलान करते हुए 1 रुपये के फेस वैल्यू पर शेयरहोले डर्स को 22 रुपये प्रति शेयर देने का फैसला किया है। इसकी रिकॉर्ड डेट 27 जून 2025 को रखी गई है। बैंक के नपा रेशियो में भी धीमी गिरावट दर्ज की गई है। 31 दिसंबर 2024 को 1.42 प्रतिशत से 31 मार्च 2025 को इसे 1.33 प्रतिशत पर कम किया गया है। यह बैंक की स्थिरता के संकेत माना जा सकता है। इसी तरह, एनपीए रेशियो 0.43 फीसदी पर है, जो पिछली तिमाही में 0.46 फीसदी पर था। ग्रॉस एनपीए भी पिछली तिमाही के मुकाबले धीमा रहा है, लेकिन दिखाता है कि बैंक संकटों का सामना करने में सक्षम है।

कावासाकी ने भारतीय बाजार में लॉन्च की क्रूजर बाइक एलिमिनेटर

- क्रूजर बाइक में 451सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन, कीमत 5.76 लाख

नई दिल्ली । जापानी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी कावासाकी ने हाल ही में अपडेटेड मॉडल वाली अपनी प्रसिद्ध क्रूजर बाइक एलिमिनेटर को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। यह बाइक नवीनतम तकनीकी और डिज़ाइन फीचर्स के साथ आता है। 2025 कावासाकी एलिमिनेटर में 451 सीसी लिक्विड-कूल्ड 4-स्ट्रोक पैरलल ट्विन इंजन दिया गया है, जो 45पीएस ऊका पावर और 42.6 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। इस बाइक में हार्डवेयर भी कमाल का है, जैसे डुअल-चैनल एबीएस, डिस्क ब्रेक, टेलिस्कॉपिक फॉर्क, डुअल शॉक एब्जॉर्बर और बहुत कुछ। एलिमिनेटर के फीचर्स में एक सर्कुलर एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइडोलॉजी ऐप के साथ स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, डुअल चैनल एबीएस, और कई और डिजिटल इंवोवेशनें शामिल हैं। इस नई बाइक का ओवरऑल डिज़ाइन भी मॉडर्न और एलिगेंट है।

कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी बाजार की चाल

- कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी रहेगी बाजार की नजर

मुंबई ।

अमेरिका के स्मार्टफोन, कंप्यूटर से हित अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टैरिफ पर छूट दिए जाने के साथ ही मैक्सिको, कनाडा और अन्य देशों से आने वाले वाहनों और उनके पुर्जों पर लगने वाले शुल्क में संशोधन पर विचार करने के संकेत एवं विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के रुख की वजह से बीते सप्ताह साढ़े चार प्रतिशत के उछाल पर घरले शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक बाजार के रुझान, बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी नजर रखेंगे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह, सभी की निगाहें एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एक्सिस बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और मारुति जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों पर रहेगी। इसके अलावा वैश्विक स्तर पर शुल्क के मोर्चे पर किसी घटनाक्रम और दुनिया पर उसका क्या प्रभाव रहता है, इस पर भी निवेशकों की निगाह रहेगी। देश की दूसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस के शेयर पर सोमवार को सभी की निगाह रहेगी। मार्च तिमाही में कंपनी का

एकीकृत शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत घटकर 7,033 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह हमें भारतीय बाजार में तेजी जारी रहने की उम्मीद है, जो एफआईआई की खरीदारी में रुचि, घरेलू मुद्रास्फीति में कमी और मौसम विभाग के सामान्य से बेहतर मानसून की भविष्यवाणी जैसे सहायक कारकों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इस बीच यदि अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर तनाव बढ़ता है, तो बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। वहीं कंपनियों के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के नतीजों की वजह से बाजार में शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं।

कोयला एक्सचेंज पर नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा बढ़ी

- कोयला मंत्रालय ने अंतिम तिथि छह अप्रैल, से बढ़ाकर सात मई करने का निर्णय लिया

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने कोयला व्यापार एक्सचेंज को लेकर प्रस्तावित नियमों पर सार्वजनिक टिप्पणियां देने की समयसीमा सात मई तक के लिए बढ़ा दी है। इस एक्सचेंज से जिंस के रूप में कोयले का कारोबार किया जा सकेगा। कोयला मंत्रालय ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि मंत्रालय ने सार्वजनिक परामर्श के लिए कोयला व्यापार एक्सचेंज पर प्रस्तावित नियमों का मसौदा प्रकाशित किया था। कोयला मंत्रालय ने टिप्पणियां या सुझाव देने की अंतिम तिथि छह अप्रैल, 2025 से बढ़ाकर सात मई, 2025 करने का निर्णय लिया है। कोयला मंत्रालय ने प्रस्तावित एक्सचेंज के लिए कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को नियामक के रूप में सशक्त बनाने का प्रस्ताव किया है। वर्तमान में देश में कोयला बिक्री चैनल विशिष्ट रूप से कोल इंडिया लिमिटेड सहित सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों के लिए है। इसलिए एक मंच यानी कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज (सीटीई) प्रदान करने की आवश्यकता महसूस की जा रही है, ताकि वाणिज्यिक, खुद के उपयोग के लिए कोयला खनन करने वाली कंपनियों को अपने उत्पाद को बाजार में लाने के लिए आसान पहुंच मिल सके। यह एक्सचेंज जिंस के रूप में कोयले के व्यापार की सुविधा प्रदान करेगा।

सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 3.84 लाख करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 3,84,004.73 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में शेयर बाजार में तेजी के बीच एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल को सबसे ज्यादा मुनाफा हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों वाले सप्ताह में बाजारों में मजबूत सुधार देखा गया और यह 4.5 प्रतिशत से अधिक चढ़ गया। उन्होंने ने कहा कि मुख्य रूप से शुल्क को टाले जाने और चुनिंदा उत्पादों पर हाल ही में दी गई छूट से बाजार में उछाल आया। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 76,483 करोड़ रुपये बढ़कर 14,58,934 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे ज्यादा लाभ एचडीएफसी बैंक को ही हुआ। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 75,210 करोड़ रुपये बढ़कर 10,77,241 करोड़ रुपये,

रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 74,766 करोड़ रुपये बढ़कर 17,24,768.59 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 67,597 करोड़ रुपये बढ़कर 10,01,948.86 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 38,420.49 करोड़ रुपये बढ़कर 7,11,381.46 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की बाजार हैसियत 24,114.55 करोड़ रुपये बढ़कर 11,93,588.98 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 14,712.85 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 5,68,061.13 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 6,820.2 करोड़ रुपये बढ़कर 5,34,665.77 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 3,987.14 करोड़ रुपये बढ़कर 5,89,846.48 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 1,891.42 करोड़ रुपये बढ़कर 5,57,945.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने घरेलू शेयर बाजार में 8,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

- वैश्विक व्यापार मोर्चे पर राहत की उम्मीद से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में करीब 8,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस माह की शुरुआत में एफपीआई ने घरेलू बाजार में बिकवाली की थी।` फिर वैश्विक व्यापार मोर्चे पर कुछ राहत की उम्मीद और मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार कम कारोबारी सत्रों वाले समाप्त सप्ताह के दौरान एफपीआई ने शेयरों में से 8,472 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें 15 अप्रैल को 2,352 करोड़ रुपये की निकासी भी शामिल है। हालांकि, इसके अगले दो सत्रों में उन्होंने 10,824 करोड़ रुपये का निवेश किया। उन्होने कहा कि एफपीआई गतिविधियों में हालिया तेजी से धारणा में संभावित बदलाव का संकेत मिलता है, लेकिन इस प्रवाह की स्थिरता वैश्विक वृहद आर्थिक स्थिति, अमेरिकी व्यापार नीति में स्थिरता और भारत की घरेलू वृद्धि के परिदृश्य पर निर्भर करेगी। कुल मिलाकर एफपीआई ने अप्रैल में अब तक शेयरों से 23,103 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे 2025 की शुरुआत से उनकी कुल निकासी 1.4 लाख करोड़ रुपये हो गई है। भारत की मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था, वैश्विक व्यापार व्यवधानों से कुछ राहत और भारतीय शेयर बाजारों में हालिया 'करेक्शन'

की वजह से आकर्षक मूल्यांकन के चलते एफपीआई की धारणा में सुधार हुआ है। इसके अलावा अमेरिका और चीन दोनों देशों में इस साल धीमी वृद्धि दर्ज होने की संभावना है, जबकि भारत में प्रतिकूल वैश्विक माहौल के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 में वृद्धि दर छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वृद्धि के मोर्चे पर भारत का बेहतर प्रदर्शन शेयर बाजारों के लिए भी अच्छा रहेगा।इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी में उनकी निकासी 34,574 करोड़ रुपये रही थी। वहीं जनवरी में उन्होंने कहीं अधिक 78,027 करोड़ रुपये की निकासी की थी।

मोटोरोला राज़र 60 अल्ट्रा जल्द होगा लांच

नई दिल्ली स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला जल्द ही अपने फ्लिप फोन सीरीज के तहत मोटोरोला राज़र 60 अल्ट्रा को लॉन्च करने जा रहा है। लॉन्च से पहले राज़र 60 अल्ट्रा के स्पेसिफिकेशन्स ऑनलाइन लीक हो गए हैं, जिससे इस फोन के पावरफुल फीचर्स सामने आए हैं। इन डिवाइसेज़ की घोषणा 24 अप्रैल को संभावित इवेंट में की जा सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, फोन में 7 इंच का सुपर एचडी एलटीपीओ अमोलेड डिस्प्ले मिलेगा, जो डॉल्बी विजन, 4500 निट्स की पीक ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। साथ ही, इसका 4 इंच का ओलेड कवर डिस्प्ले भी 3000 निट्स ब्राइटनेस और 165एचझेड रिफ्रेश रेट से लैस होगा। फोन में स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट दिए जाने की संभावना है। इसे 16जीबी एलपीडीडीआर5एक्स रैम और 512 जीबी यूएफएस 4.0 इंटरनल स्टोरेज के साथ पेश किया जा सकता है। कैमरा सेक्शन में, रेजर 60 अल्ट्रा में 50 मेगापिक्सल का ओआईएस मेन कैमरा और 50 मेगापिक्सल का अल्ट्रावाइड लेंस दिया जा सकता है। यह डिवाइस एंड्रॉयड 15 आउट ऑफ द बॉक्स पर काम करेगा और इसमें ड्यूल सिम, 5जी, वाय-फाय 7, ब्लूटूथ 5.4, एनएफसी, जीपीएस और यूएसबी टाइप-सी जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स मिल सकते हैं।

इलेक्ट्रिक कार ईंविटारा का इंतजार जल्द होगा खत्म

नई दिल्ली ।

कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की पहली इलेक्ट्रिक कार, ईंविटारा जल्द ही पेश होने वाली है। बताया जा रहा है कि इसे अगले महीने लॉन्च किया जा सकता है। हाल ही में इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को गुरुग्राम के सेक्टर 54 चौक पर कवर के साथ देखा गया था, जहां यह कंपनी की पॉपुलर वैगनआर के पास खड़ी थी। ईंविटारा के फीचर्स की बात करें तो इसमें एलईडी हेडलाइट्स, डेटाइम रनिंग लैंप, 18-इंच व्हील्स, पैनोरमिक सनरूफ, मल्टी-कलर इंटीरियर्स, और 10.25-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें वायरलेस चार्जिंग, 10.1-इंच इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन, एप्पल कारप्ले और एंड्राएड ऑटो जैसे कनेक्टिविटी फीचर्स भी शामिल हैं। इसके अलावा, इसमें इनफिनिटी बाय हरमन ऑडियो सिस्टम, पीएम 2.5 एयर फिल्टर, वेंटिलेटिड फ्रंट सीट्स, और 10-वे पावर एडजस्टेबल ड्राइवर सीट भी मिलेगी। यह एसयूवी ड्राइव मोड्स, जैसे ईको, नॉर्मल, और स्पोर्ट, के साथ-साथ स्नो मोड और रीजन मोड जैसी सुविधाओं से लैस है। मारुति ने ईंविटारा को विभिन्न ऑटो इवेंट्स में पहले ही पेश किया है और इसकी टेस्टिंग भी अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। कंपनी ने डीलर्स के माध्यम से इसके ऑफलाइन प्री-बुकिंग भी शुरू कर दी हैं।

पहली बार समुद्री मार्ग से अमेरिका पहुंचा भारत का अनार

- समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया

मुंबई।

भारत के प्रमुख अनार निर्यात बाजारों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब और श्रीलंका के बाद अब अमे रिका भी शो मिल हो गया है। भारत से पहली बार महाराष्ट्र से न्यूयॉर्क तक समुद्री मार्ग से 14 टन अनार की पहली खेप भेजी गई है। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने अमेरिका के कृषि विभाग के पशु और पादप स्वास्थ्य निरीक्षण सेवा, राष्ट्रीय पादप संरक्षण संगठन और सोलापुर स्थित आईसीएआर-राष्ट्रीय अनार अनुसंधान केंद्र के साथ मिलकर इस पहल को अंजाम दिया है। समुद्री मार्ग से यह वाणिज्यिक शिपमेंट सफल परीक्षणों के बाद किया गया, जिससे फलों की शेल्फ लाइफ 60 दिन तक बढ़ाई जा सकी। इस खेप में 4,620 बॉक्स शामिल थे और पांच सप्ताह में इसे डिलीवर किया गया। गुणवत्ता और उपस्थिति दोनों के लिहाज से इसे अमेरिका में सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में एपीडा ने नियामक प्रक्रियाओं को आसान बनाने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ पूर्व-मंजूरी कार्यक्रम भी आयोजित किया था। वित्त वर्ष 2023-24 में

भारत ने 72,011 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया था जिसकी कीमत 69.08 मिलियन अमेरिकी डॉलर रही। वहीं, 2024-25 की अप्रैल से जनवरी अव में यह निर्यात 59.76 मिलियन डॉलर तक पहुंच गया, जो साल-दर-साल 21 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

- कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रविवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रविवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर, पटना में पेट्रोल 105.60 रुपए लीटर, डीजल 92.04 रुपए लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.69 रुपए/लीटर, डीजल 87.55 रुपए लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.30 रुपए लीटर, डीजल 82.38 रुपए लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल

107.46 रुपए लीटर, डीजल 95.63 रुपए लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.17 रुपए लीटर, डीजल 88.03 रुपए लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.72 रुपए लीटर, डीजल 90.36 रुपए लीटर है।

बीते वित्त वर्ष वाहन निर्यात 19 फीसदी बढ़कर 53.63 लाख इकाई हुआ

जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में यात्री, दोपहिया और वाणिज्यिक वाहनों की मांग में तेजी की वजह से बीते वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कुल वाहन निर्यात 19 प्रतिशत बढ़कर 53 लाख इकाई से अधिक हो गया है।

पिछले वित्त वर्ष में कुल वाहन निर्यात 53.63 लाख इकाई रहा, जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त वित्त वर्ष यह 45 लाख इकाई था। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी है। पिछले वित्त वर्ष में यात्री वाहनों का निर्यात 15 प्रतिशत बढ़कर 7,70,364 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 6,72,105 इकाई था। उद्योग निकाय सियाम ने कहा कि भारत में बनने वाले वैश्विक मॉडल की मांग में बढ़ोतरी की वजह से इस खंड ने पिछले वित्त वर्ष में अपना बेहतर वार्षिक प्रदर्शन किया। सियाम ने कहा कि विनिर्माण गुणवत्ता में सुधार के साथ, कुछ कंपनियों ने विकसित बाजारों में निर्यात भी शुरू कर दिया है। यूटिलिटी वाहनों के निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई और यह 3,62,160 इकाई रहा। वित्त वर्ष 2023-24 के 2,34,720 इकाई की तुलना में यह 54 प्रतिशत की वृद्धि है।

पिछले वित्त वर्ष में दोपहिया वाहनों का निर्यात 21 प्रतिशत बढ़कर 41,98,403 इकाई रहा, जबकि 2023-24 में यह आंकड़ा 34,58,416 इकाई था। वित्त वर्ष 2023-24 की तुलना में 2024-25 में तिपहिया वाहनों के निर्यात में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 3.1 लाख इकाई रहा। पिछले वित्त वर्ष में वाणिज्यिक वाहनों का निर्यात 23 प्रतिशत बढ़कर 80,986 इकाई रहा, जबकि इससे पिछले साल यह 65,818 इकाई था।

बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए

- गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री होने के कारण कारोबारी धारणा प्रभावित हुई

नई दिल्ली ।

सहकारी संस्था नेफेड द्वारा 21 अप्रैल से सोयाबीन बेचने की अफवाहों तथा गुजरात में मूंगफली की सरकारी बिक्री और कारोबारी धारणा प्रभावित होने से बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

बाजार सूत्रों ने कहा कि मूंगफली पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 17-18 प्रतिशत नीचे दाम पर बिक रही थी और अब सहकारी संस्था नेफेड की ओर से सोयाबीन की भी बिक्री किये जाने की अफवाह है।

इससे बाजार में घबराहट का माहौल है जो तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का मुख्य कारण है। इससे पिछले सप्ताह में जिस कच्चे पामतेल का दाम 1,125-1,130 डॉलर प्रति टन था, वह समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 1,100-1,105 डॉलर प्रति टन रह गया है। विदेशों में दाम टूटने और नेफेड की बिकवाली पहल के बीच घबराहटपूर्ण माहौल के कारण पाम-पामोलीन तेल में गिरावट दर्ज हुई।

दूसरी ओर, सोयाबीन डीगम का दाम जो पहले 1,105-1,110 डॉलर प्रति टन था वह समीक्षाधीन सप्ताह में बढ़कर 1,115-1,120 डॉलर प्रति टन हो गया है। इसके अलावा सरकार ने सोयाबीन डीगम का आयात शुल्क मूल्य भी 81 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया है। इससे सोयाबीन तेल में और मजबूती की उम्मीद की जा रही थी लेकिन नेफेड की सोयाबीन बिकवाली संबंधी अफवाहों के बीच दाम टूटते दिखे। उन्होंने कहा कि देश के आयातकों की पैसों के मामले में हालत इतनी खराब है कि वे सोयाबीन डीगम तेल को आयात की लागत से भी कम दाम पर बेचने को मजबूर हो चले हैं। इससे सोयाबीन तेल-तिलहन कीमतों में तो गिरावट आई ही, वहीं बाजार में घबराहटपूर्ण माहौल के बीच अन्य सभी तेल-तिलहनों के दाम भी दबाव में आ गये। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,225-6,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये टूटकर क्रमशः 2,335-2,435 रुपये और 2,335-2,460 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केकेआर पर जीत के इरादे से उतरेगी गुजरात टाइटंस

कोलकाता (एजेंसी)। आईपीएल में सोमवार को यहां के ईडन गार्डन स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम (केकेआर) अपने घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात की टीम अभी अंकतालिका में शीर्ष पर है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं। वहीं दूसरी ओर आजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेल रही केकेआर इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी है और छठे स्थान पर है। केकेआर के बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। गुजरात की बल्लेबाजी कप्तान शुभमन के अलावा साई सुदर्शन और जोस बटलर पर आधारित है जबकि गेंदबाजी की कमान प्रसिद्ध कृष्णा और मो सिराज के अलावा स्पिनर साई किशोर पर आधारित रहेगी। केकेआर की बल्लेबाजी अजिंक्य रहाणे , क्विंटन डी कॉक , वेंकटेश अय्यर जबकि गेंदबाजी एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती पर निर्भर है।

इस मैदान पर अच्छा उछाल मिलता जिससे बल्लेबाजों के लिए शॉट खेलना आसान होता है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर बनते हैं। यहां तेज गेंदबाजों को शुरुआत में मदद मिलती है पर बाद में स्पिनरों को सहायता मिलती है। अब तक के आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक केवल 4 मुकाबले ही खेले गए हैं, जिसमें से दो मैच गुजरात ने वहीं एक मैच केकेआर ने जीता है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

केकेआर-अजिंक्य रहाणे (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), सुनील नरेन, रिंकू सिंह, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, हर्षित राणा, वैभव अरोड़ा, एनरिक नॉर्टजे, वरुण चक्रवर्ती, रमनदीप सिंह, नुकूल रॉय, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, मनीष पांडे, अलवनिथ सिसौदिया, स्पेंसर जॉनसन, मोइन अली मयंक मारकंडे, रहमानुल्लाह गुरबाज़, चेतन सकारिया।

गुजरात टाइटंस टीम-शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अरशद खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, इशांत शर्मा, शेरफेन रदरफोर्ड, वाशिंगटन सुंदर, करीम जनत, निशांत सिंधु, महिपाल लोमरोर, रविश्रीनिवासन साई किशोर, प्रसिद्ध कृष्णा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, अनुज रावत, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया, दासुन शनाका, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र और गुरनूर बराड़।

आईपीएल के इस सत्र में अब तक असफल रहे हैं ईशान

मुम्बई (एजेंसी)। बांए हाथ के आक्रामक विकेटीपर बल्लेबाज ईशान किशन आईपीएल के इस सत्र में फ्लाप साबित हुए हैं। ईशान को आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद ने मोटी रकम देकर खरीदा था। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही मैच में ईशान ने 45 गेंदों में शतक लगाकर सत्र की शानदार शुरुआत की थी पर इसके बाद के मैचों में उनका बल्ला खामोश रहा है। ईशान ने की पहले मैच में खेली 106 रनों की पारी से हैदराबाद को जीत मिली थी पर उसके बाद से ही वह छह पारियों में एक में भी दो अंकों में नहीं पहुंच पाये। जिसके बाद से ही वह प्रशंसकों के निशाने पर हैं। गत दिनों राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ शतक के दौरान किशन चोटिल हो गए थे और फील्डिंग के लिए नहीं लौटे थे। इसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर संशय बना हुआ रहा। हालांकि वह बाद के मैचों में खेले। वह सलामी हैं लेकिन हैदराबाद में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की मजबूत ओपनिंग जोड़ी के कारण उन्हें सत्र में नंबर 3 पर बल्लेबाजी करनी पड़ रही है। अब अगर वह आगे के मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो ही उनकी टीम इंडिया में वापसी की संभवना बनेगी।

वैभव ने सबसे कम उम्र में आईपीएल डेब्यू किया, पहली ही गेंद पर लगाया छक्का

जयपुर (एजेंसी)। आवेश खान की अंतिम ओवर में अच्छी गेंदबाजी से लखनऊ सुपरजायंट्स ने आईपीएल मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 2 रनों से हरा दिया। इस मैच में लखनऊ ने 5 विकेट पर 180 रन बनाए। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान 5 विकेट पर 178 रन ही बना पायी। इस मैच में राजस्थान की ओर से 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने डेब्यू किया जिससे वह आईपीएल खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले सबसे कम उम्र में आईपीएल खेलने का रिकार्ड प्रयास रे बर्मन का था। प्रयास ने 16 साल की उम्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुर की ओर से खेला था।

वैभव ने पहली ही गेंद पर छक्का लगा दिया। ऐसा करने वाले वह 10वें बल्लेबाज बने हैं। वैभव ने शार्दूल ठाकुर की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया। इससे पहले ये उपलब्धि रॉब क्राइनी (राजस्थान रॉयल्स), केवोन कूपर (राजस्थान रॉयल्स), आंद्रे रसेल (कोलकाता नाइट राइडर्स), कार्लोस ब्रैथवेट (दिल्ली डेयरडेविल्स), अनिकेत चौधरी (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर), जावन सियरलेस (कोलकाता नाइट राइडर्स), सिद्धेश लाड (मुंबई इंडियंस), महेश तीक्षणा (चेन्नई सुपर किंग्स), और समीर रिजवी (चेन्नई सुपर किंग्स) के नाम हैं। राजस्थान रॉयल्स ने वैभव को मेगा नीलामी में 1.10 करोड़ रुपए में शामिल किया था।

पडिक्कल और कोहली के अर्धशतक, बेंगलुरु 7 विकेट से जीता

मुल्लांपुर (एजेंसी)। कृणाल पांड्या और सुयश शर्मा की उम्दा गेंदबाजी के बाद विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल के अर्धशतक से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां पंजाब किंग्स को एकतरफा मुकाबले में सात विकेट से हरा दिया। पंजाब के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए RCB ने विराट कोहली (नाबाद 73 रन, 54 गेंद, सात चौके, एक छक्का) और देवदत्त पडिक्कल (61 रन, 35 गेंद, चार छक्के, पांच चौके) के बीच दूसरे विकेट की 103 रन की साझेदारी से सात गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 159 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की।

इस जीत के साथ ऋषभ की टीम पंजाब किंग्स सहित उन पांच टीम में शामिल हो गई जिन्होंने अब तक सर्वाधिक 10 अंक जुटाए हैं। पंजाब किंग्स ने इससे पहले छह विकेट पर 157 रन बनाए। बाएं हाथ के स्पिनर कृणाल (25 रन पर दो विकेट) और लेग स्पिनर सुयश (26 रन पर दो विकेट) की फिरकी के सामने पंजाब की टीम ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और उसका कोई बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में नहीं बदल पाया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह 33 रन बनाकर पंजाब के शीर्ष स्कोरर रहे जबकि शशांक सिंह ने नाबाद 31 रन बनाए। जोश इंग्लिस (29), मार्को यानसेन (नाबाद 25) और प्रियांश आर्य (22) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

लक्ष्य का पीछा उतरे RCB ने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (01) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने अर्शदीप की गेंद पर विकेटकीपर इंग्लिस को कैच थमाया। सलामी बल्लेबाज कोहली और पडिक्कल ने इसके बाद पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 54 रन तक पहुंचाया। कोहली ने जेवियर बार्टलेट पर चौका जड़ा जबकि पडिक्कल ने इस तेज गेंदबाज पर छक्का मारा। कोहली ने हरप्रीत बरार का स्वागत दो चौकों के साथ किया और फिर यानसेन के पहले ओवर में भी दो चौके मारे। पडिक्कल ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए युजवेंद्र चहल और बार्टलेट पर छक्के जड़े। उन्होंने चहल की गेंद पर एक रन के साथ 30 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

पडिक्कल ने मार्कस स्टोइनिस की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ 12वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया। पडिक्कल हालांकि अगले ओवर में हरप्रीत की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन बाउंड्री पर निहाल वढेरा के हाथों लपके गए। कोहली ने यानसेन की गेंद पर एक रन के साथ 43 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। RCB को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 36 रन की दरकार थी। कोहली ने अर्शदीप पर चौका जड़ने के बाद चहल की लगातार गेंदों पर छक्के और चौके के साथ RCB को जीत की दहलीज पर पहुंचाया। चहल ने हालांकि RCB के कप्तान रजत पाटीदार (12) को यानसेन के हाथों कैच करा दिया। RCB को अंतिम तीन ओवर में 14 रन की जरूरत थी और जितेश शर्मा (नाबाद 11) ने वढेरा पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिला दी।

इससे पहले पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। प्रभसिमरन और प्रियांश ने पंजाब को तेज शुरुआत दिलाई। प्रभसिमरन ने यश दयाल का स्वागत चौके से किया जबकि प्रियांश ने इसी ओवर में छक्का और चौका मारा। प्रभसिमरन ने भुवनेश्वर पर भी तीन चौके मारे। प्रियांश ने जोश हेजलवुड पर दो चौके मारे लेकिन कृणाल की गेंद पर तेज प्रहार करने की कोशिश में गेंद को हवा में लहरा गए और टिम डेविड ने आसान कैच लपका। प्रभसिमरन ने हेजलवुड पर छक्के के साथ पावर प्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 62 रन तक पहुंचाया लेकिन कृणाल की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर डेविड को कैच दे बैठे। उन्होंने 17 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा।

कप्तान श्रेयस अय्यर भी सिर्फ छह रन बनाने के बाद रोमारियो शेफर्ड पर गेंद पर कृणाल के हाथों लपके गए। निहाल वढेरा (05) भी इसके बाद जोश इंग्लिस के साथ गलतफहमी का शिकार होकर रन आउट हो गए जिससे पंजाब का स्कोर चार विकेट पर 76 रन हो गया। इंग्लिस और शशांक ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया। इंग्लिस ने शेफर्ड पर दो चौकों के साथ 12वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया।

आईपीएल में हर सत्र के साथ बढ़ रही छक्कों की संख्या

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के साल 2008 में शुरु होने के बाद से ही अब तक हुए 1133 मैचों में 13614 छक्के लगे हैं। आईपीएल का अभी 18 वां सत्र चल रहा है। इसमें नये नियमों से भी मैच बल्लेबाजों के पक्ष में गया है और अधिक छक्के लगे हैं। इस सत्र में अब तक हुए 34 मैचों में ही 587 छक्के लगे हैं। इस प्रकार हर मैच में 17.2 छक्के लगे हैं। यह आईपीएल के किसी भी सत्र से ज्यादा है। वहीं शुरुआती सत्र 2008 में 622 छक्के ही लगे थे। इस प्रकार प्रति मैच औसतन 10.72 छक्के लगे पर इसके बाद के सत्र से ही छक्कों की तादाद बढ़ने लगी। आईपीएल 2013 तक औसत छक्कों की संख्या 10 से कम रही लेकिन 2014 में यह बढ़कर 11.90 पहुंच गई। तब से हर मैच 10 से ज्यादा छक्के लग रहे हैं। इसका कारण 2022 में आये इम्पैक्ट प्लेयर नियम को भी माना गया है। इसके बाद छक्कों की संख्या में काफी तेजी आई है। एक अतिरिक्त खिलाड़ी होने की वजह से टीमें ज्यादा जोखिम लेने लगी है। 2022 में पहली बार लीग में 1000 से ज्यादा छक्के लगे। प्रति मैच छक्कों की संख्या पहली बार 14.35 रही। वहीं साल 2023 में यह पहली बार 15 के ऊपर पहुंच गई। उस सीजन 74 मैचों में कुल 1124 छक्के लगे थे। हर 15.34 गेंद के बाद एक छक्का लग रहा था। वहीं 2024 सीजन में ओर तेजी देखी गयी। इस दौरान 8 बार टीमों ने 250 से ज्यादा रन बनाये। आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर 287 रन रहा। 262 रनों के लक्ष्य को भी टीमों ने हासिल कर लिया। इस सत्र में बल्लेबाजों ने कुल 1260 छक्के मारे। प्रति मैच 17.02 छक्के लगे। सनराइजर्स हैदराबाद ने इस दौरान सबसे ज्यादा 178 छक्के लगाये। 165 छक्कों के साथ आरसीबी सूची में दूसरे स्थान पर थी। लीग में अभी तक 1133 मैच हुए हैं और कुल 13614 छक्के लगे हैं। वहीं आईपीएल के 2025 सत्र में छक्कों की संख्या भी तेजी है।

मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाजों की सूची में विराट ओर सैमसन शामिल नहीं

मुंबई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आईपीएल के अब तक के सत्र में के शीर्ष टॉप 10 बल्लेबाजों को चयनित किया है। मांजरेकर की इस सूची में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन और आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है। आईपीएल की शुरुआत में भी मांजरेकर ने सत्र के संभावित शीर्ष 10 बल्लेबाजों की एक सूची बनायी थी। उस सूची में से केवल पांच खिलाड़ी ही इस सूची में शामिल हैं। इस सूची में मिचेल मार्श, ट्रैविस हेड, निकोलस पूरन, फिल सॉल्ट, श्रेयस अय्यर बने हुए हैं जबकि पांच खिलाड़ी बाहर हो गए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल शुरुआत में इसमें नहीं थे पर अब उन्हें जगह मिली है। राहुल ने पांच पारियों में 238 रन बनाये हैं।, इस सूची में गुजरात टाइटन्स के जोस बटलर, प्रियांशु आर्य, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन को भी शामिल किया गया है। पावरप्ले में प्रियांशु आर्य और अभिषेक शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी की है। मांजरेकर के शीर्ष 10 बल्लेबाज वो हैं, जिन्होंने कम से कम 200 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट अच्छा है। वहीं सत्र में 200 से ज्यादा रन बनाने और 60 की औसत बनाए रखने के बावजूद, विराट का नाम नहीं होने से सभी हैरान हैं। उनका नाम शामिल नहीं होने का कारण स्ट्राइक रेट सिर्फ कम होना है।

करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन घबराने की जरूरत नहीं -राजस्थान रॉयल्स के कोच

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने स्वीकार किया कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार दो करीबी मैच हारना टीम के लिए मुश्किल भरा रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे टीम में किसी तरह की घबराहट की कोई भावना नहीं है।

रॉयल्स की टीम शनिवार रात लखनऊ सुपर जाइंट्स से दो रन से हार गई, जबकि उसने अपना पिछला मैच भी दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में गंवा दिया था। आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ, राजस्थान अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। बहुतुले ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। बात सिर्फ इतनी है कि परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे। डगआउट में राहुल (द्रविड़) के होने से काफी शांति है। हमारी टीम में शामिल सभी लोगों ने पर्याप्त क्रिकेट खेली है और इसलिए किसी को भी किसी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन दुर्भाग्य से हमें इस मैच में दो रन से और पिछले मैच में सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। इस तरह की करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है लेकिन खेल इसी तरह से आगे बढ़ता है। टी20 ऐसा प्रारूप है जिसमें बहुत जोखिम शामिल है।'

बहुतुले ने कहा कि वे मैदान पर गलतियों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास गलतियों को कम करने का है। जब हमारी साझेदारी चल रही थी तो हम उसे कुछ ओवर पहले ही खत्म कर सकते थे। लेकिन आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में अच्छी गेंदबाजी की। हमें चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले कप्तान संजू सैमसन की कमी भी खली।'

नडाल का फ्रेंच ओपन टेनिस में होगा सम्मान : मौरेस्मो

पेरिस । स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल को फ्रेंच ओपन टेनिस के पहले दिन 25 मई को कोर्ट फिलिप चैट्रियर में सम्मानित किया जाएगा। नडाल बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फ्रेंच हैं। 14 बार के विजेता नडाल ने पिछले साल नवंबर में खेल को अलविदा कह दिया था। फ्रेंच ओपन की निदेशक एमिली मौरेस्मो ने कहा कि नडाल ने कई प्रकार से फ्रेंच ओपन को प्रभावित किया है। इसलिए उनके सम्मान में एक समारोह आयोजित किया जाएगा। नडाल वह टूर्नामेंट संग्रहालय में एक प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे और आधिकारिक फ्रेंच ओपन ट्रेलर में अपनी आवाज देंगे। नडाल फ्रेंच ओपन में अंतिम बार 2024 में खेले थे पर इसमें वह पहले दौर में ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव से हार गए थे। उनके नाम चारों ग्रैंड स्लैम खिताब हैं। नडाल ने पुरुष टेनिस में सबसे अधिक 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं। इसमें 14 फ्रेंच ओपन दो ऑस्ट्रेलियाई ओपन और दो विम्बलन खिताब के अलावा 4 अमेरिकी ओपन खिताब हैं। इसके अलावा उन्होंने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुष एकल में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा एटीपी टूर्नामेंट खिताब- 92 एकल खिताब, जिसमें 36 मास्टर्स 1000 खिताब और 23 एटीपी 500 खिताब शामिल हैं। डेविस कप- स्पेन के लिए 5 बार (2004, 2008, 2009, 2011, 2019) डेविस कप जीता। वह 209 हफ्तों तक एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 रहे, पहली बार 2008 में शीर्ष स्थान हासिल किया।

अर्जुन बाबुता गोल्ड से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू) (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं। पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता। फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा। फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी। बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल

करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया।

यॉर्कर फेंकना जारी रखूंगा, यह मेरी सर्वश्रेष्ठ गेंद है : आवेश खान

जयपुर (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स की इंडियन प्रीमियर लीग में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत में डेथ ओवरों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज आवेश खान ने कहा कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए क्रमशः पांच और छह रन दिए, जिससे लखनऊ शनिवार रात को खेले गए मैच में आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव करने में सफल रहा।

आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है।'

आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके 8 विकेट बचे हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।'

आवेश ने कहा, 'आईपीएल में बड़े स्कोर बन रहे हैं और गेंदबाज काफी रन दे रहे हैं। पहले ओवर में मैंने भी 13 रन दिए लेकिन मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करता हूं और अपनी रणनीति को सही तरह से लागू करने पर ध्यान देता हूं।'

इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 18वें ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के आउट होने से लखनऊ को काफी फायदा मिला क्योंकि इससे डेथ ओवरों में दो नए बल्लेबाज क्रीज पर थे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई नया बल्लेबाज आता है, तो उसके लिए यह इतना आसान नहीं होता है। नए बल्लेबाज के लिए किसी भी स्थिति में आना मुश्किल होता है, खासकर जब गेंद थोड़ी नीचे रह रही हो।'

मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज ने कहा कि जब डेविड मिलर ने शुभम दुबे का कैच छोड़ा तो वह थोड़ा तनाव में थे। दुबे ने दो रन लिए जबकि रॉयल्स को जीत के लिए आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे। आवेश ने कहा, 'जैसे ही गेंद हवा में गई तो मैं सोच रहा था कि मिलर इसे पकड़ लेंगे। वह पूरी तरह से गेंद के नीचे थे। लेकिन जब कैच छूट गया तो मैं थोड़ा निराश हो गया। लेकिन मुझे आखिरी गेंद पर चार रन बचाने का भरोसा था।'

आवेश ने कहा कि वह रोमांचक जीत का

जश्न नहीं मना सके क्योंकि दुबे का शॉट फील्डर के पास जाने से पहले उनके टखने पर लगा था। उन्होंने कहा, 'मुझे जश्न मनाने का मौका भी नहीं मिला। शुरू में मुझे लगा कि गेंद मेरी हड्डी पर लगी है। मैं आसमान की तरफ देख रहा था और मुझे अपनी आंखें बंद करनी पड़ी।'

आचार संहिता का उल्लंघन, गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल पर लगा जुर्माना

अहमदाबाद । गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में जुर्माना लगा है। आईपीएल प्रबंधन की ओर से जारी बयान के अनुसार शुभमन पर ये जुर्माना धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। गुजरात टाइटंस का इस सत्र में धीमी ओवर गति को लेकर ये पहला अपराध था। इसलिए शुभमन पर केवल 12 लाख रुपये जुर्माना ही लगाया गया है। इस सत्र में ये छठी बार है जब धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। वहीं राजस्थान रॉयल्स पर दो बार, मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु व गुजरात टाटइंस पर एक-एक बार जुर्माना लगाया गया है। इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए जगाया जाना वाला मैच प्रतिबंध का नियम हटा लिया गया है। अब केवल नकारात्मक अंक और जुर्माना लगाया जाएगा। इस मैच में गुजरात की टीम ने जोस जोस बटलर की 97 रनों की शानदार पारी से दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हराया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाई? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा। विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

असम में दिल दहला देने वाली वारदात : पत्नी का सिर काटकर साइकिल से थाने पहुंचा पति

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के चिरांग जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी की निर्मम हत्या कर दी। आरोपी बितीश हाजोंग ने पत्नी बैजंती हाजोंग का सिर काटकर साइकिल की टोकरी में रखा और सीधे पुलिस थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया। यह भयावह वारदात शनिवार रात को हुई। पुलिस के मुताबिक, बितीश एक दिहाड़ी मजदूर है। वह रोज की तरह शनिवार को भी मजदूरी करने के बाद अपने घर आया। इसी बीच पत्नी से विवाद हो गया। विवाद पहले भी होता था, लेकिन इस बार घर में झगड़ा इतना बढ़ गया कि उसने धारदार हथियार से पत्नी का सिर धड़ से ही अलग कर दिया। इसके बाद वह साइकिल से करीब 7 किलोमीटर दूर पुलिस थाने पहुंचा, और थाने में मौजूद अधिकारियों को कटी हुई गर्दन दिखाई, जिससे पूरे थाने में सनसनी फैल गई। इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना था कि पति-पत्नी के बीच अक्सर झगड़े होते थे। हर रोज किसी न किसी बात पर बहस होती थी। लेकिन किसी ने सोचा भी नहीं था कि बात इतनी खतरनाक मोड़ ले लेगी। चिरांग की एएसपी रश्मि रेखा शर्मा ने बताया, कि आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य एकत्र किए हैं। जांच जारी है।

साइबर ठगी : तकनीकी विकास के साथ बढ़ती चुनौतिया

- दुनिया में हर सेकेंड 1.63 करोड़ की साइबर ठगी, भारत में 6 साल में 42 गुना बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट और तकनीक ने हमारे जीवन को आसान और सरल बना दिया है, लेकिन इसके साथ ही साइबर ठगों ने भी नए धरातल पर कब्जा जमा लिया है। 2024 में दुनिया भर में साइबर ठगों ने 498 लाख करोड़ से अधिक की चपट लगाई। यानी, हर सेकेंड में 1.63 करोड़ की ठगी हो रही है। भारत में भी स्थिति चिंताजनक है, 2023 में 9.2 लाख से अधिक शिकायतें आईं, जिनमें 6 हजार करोड़ का घातक चपत हुआ। गृह मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार साइबर ठगी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बढ़ रही है। इसमें तकनीकी सुविधाएं ही नहीं, बल्कि आर्थिक और कानूनी चुनौतियाँ भी शामिल हैं। साइबर ठगों द्वारा ठगी की रकम की लॉन्ड्रिंग के लिए मनी म्यूल, क्रिप्टोकरेंसी और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल हो रहा है। सरकारें भी इस मामले पर ध्यान दे रही हैं। साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए वे अरबों रुपये खर्च कर रही हैं। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र ने भी चिंताजनक आंकड़ों की चेतावनी दी है, 2025 में भारतीयों से .2 लाख करोड़ से अधिक की ठगी की आशंका है। यह आंकड़ा बिहार के बजट के 50 फीसदी के बराबर है। ग्लोबल स्तर पर भी स्थिति चिंताजनक है। हर साल, 514 लाख करोड़ से अधिक की ठगबंदी व्याप्त है, जिससे साइबर अपराधी अर्थव्यवस्था को भी खतरा है। इसका मतलब है कि 2024 में दुनिया भर में साइबर क्राइम से 498 लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। ये आंकड़े समझाते हैं कि साइबर अपराध कितना गंभीर मुद्दा है, और हमें सावधान रहना होगा।

महाराष्ट्र में 40 लाख के इनामी 4 नक्सली गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त कार्रवाई में 4 कुख्यात नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। इन पर कुल 40 लाख रुपए का इनाम था। गिरफ्तार नक्सलियों में सैलू मुड्डेला उर्फ रघु (20 लाख), उसकी पत्नी जैनी खराटम उर्फ अखिला (16 लाख), झांसी तलांडी उर्फ गंगू और मनीला गावड़े उर्फ सरिता (2-2 लाख) शामिल है। ये सभी 11 फरवरी को दिरांगी-फुलनार जंगल में हुए एनकाउंटर में ष्ट-60 कमांडो की हत्या में शामिल थे। सैलू 77 मामलों, अखिला 29, तलांडी 14 और मनीला 10 मामलों में शामिल रही है। सभी बम्हरागढ़ क्षेत्र में सक्रिय थे। पु?लिस अ?धिकारी ने बताया कि नक्सल विरोधी अभियान अब और तेज किया जाएगा।

कर्नाटक में बोर्ड परीक्षा की कॉपी में मिले 500-500 के नोट

बेलगावी (एजेंसी)। कर्नाटक के बेलगावी जिले के चिक्कोडी में एसएसएलसली (कक्षा 10वीं) परीक्षा के दौरान छात्रों ने आंसर सीट में 500-500 रुपए के नोट रखकर पास कराने की गुहार लगाई। कुछ छात्रों ने लिखा, सर, चाय पी लीजिए और पास कर दीजिए। किसी ने लिखा, प्यार आगे बढ़ाना है तो पास करिए। एक छात्र ने तो यहां तक लिखा, अगर पास किया तो और पैसे दूंगा। शिक्षकों ने बताया कि आंसर सीट में कई भावनात्मक अपील की गई- जैसे माता-पिता कॉलेज नहीं भेजेंगे अगर फेल हुआ। इन घटनाओं की तस्वीरें और बातें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। शिक्षा विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है।

साईं बाबा के चरणों में आस्था का भक्तिपूर्ण उपहार, भक्त ने चढ़ाया 68 लाख का स्वर्ण मुकुट

- साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी के साईबाबा के चरणों में एक भक्त ने भक्ति की अमूल्य भेंट चढ़ाई है। बताया गया है कि आंध्र प्रदेश के गुंटूर के एक भक्त ने श्री साईं बाबा के चरणों में 68 लाख रुपये मूल्य का सोने का मुकुट अर्पित किया। इस मुकुट का वजन 788.44 ग्राम है और इस पर की गई आकर्षक नक्काशी साईं के प्रति गहरी भक्ति भावना का प्रतीक है। श्री साईंबाबा संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर ने बताया कि यह स्वर्ण मुकुट शनिवार दिनांक 19 अप्रैल को साईं चरण को अर्पित किया गया और इस नए चढ़ावे के साथ ही साईं संस्थान के पास स्वर्ण मुकुटों की संख्या अब 28 तक पहुंच गई है। आपको बताते चलें कि शिरडी सिर्फ एक तीर्थ स्थल नहीं है, यह आस्था का सागर है। जिसे कोई पार नहीं कर सकता... यहां आने वाला हर व्यक्ति अपना दर्द, अपनी आशा, अपनी प्रार्थनाएं साईं के चरणों में अर्पित करता है और बदले में, उन्हें अपने दिल में शांति और संतोष मिलता है।

2027 के उप्र चुनावों में भी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा: अखिलेश यादव

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन जारी रहेगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि वह वक्फ (संशोधन) कानून के जरिए माफिया की तरह जमीन हड़पने की कोशिश कर रही है।

यादव ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों में पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) राज्य से भाजपा को उखाड़ फेंकेगा। जब उनसे 'इंडिया' गठबंधन के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दोहराया, 'इंडिया' गठबंधन (मौजूदा) है और रहेगा।

उन्होंने कहा, भाजपा वक्फ संशोधन कानून लेकर आई है ताकि वह जमीन छीन सके। जहां भी उन्हें जमीन दिखती है, वे उस पर कब्जा कर लेते हैं। उन्होंने भाजपा को भू-माफिया पार्टी करार दिया।

यादव ने सत्तारूढ़ पार्टी पर नोटबंदी और जीएसटी (माल एवं सेवा कर) के जरिए लोगों का पैसा छीनने और आरक्षण के अधिकार को कम करने का आरोप लगाया। यादव ने प्रयागराज में महाकुंभ के आयोजन के संबंध में भाजपा की कार्यप्रणाली की भी आलोचना की तथा वादा किया कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो कुप्रबंधन की जांच कराई जाएगी।

सपा प्रमुख ने दावा किया कि सरकार ने घटना के दौरान हताहतों की संख्या और वित्तीय लाभ के बारे में गलत आंकड़े दिए, और आरोप लगाया कि जनवरी में भगदड़ के दौरान ड्रोन और सीसीटीवी निगरानी विफल रही।

यादव ने दावा किया, 'जिस समय (भगदड़ के समय) ड्रोन और सीसीटीवी की सबसे अधिक जरूरत थी, उस समय ये या तो बंद थे या बंद करा दिए गए थे। इन्होंने संगम नोज पर भगदड़ में मारे गए लोगों की सही संख्या नहीं बताई और मृत्यु के कारण बदलने के लिए परिजनों पर दबाव बनाया।'

राणा सांगा पर सपा सांसद रामजी लाल सुमन के बयान को लेकर पूछे गए प्रश्न पर उन्होंने कहा, 'जो इतिहास एक दूसरे को ऊंच-नीचा दिखाए, जो इतिहास हमारी प्रगति को रोकता हो, उस इतिहास को इतिहास ही रहने देना चाहिए।'

सपा प्रमुख ने संवाददाता सम्मेलन में प्रयागराज महाकुंभ 2025 को लेकर सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्वयं द्वारा दिए गए सुझावों को एक पुस्तिका के रूप में तब्दील कर पत्रकारों को उपलब्ध कराया। साथ ही उन्होंने 2013 में हुए प्रयागराज कुंभ मेले को लेकर हावर्ड विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन की रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई। अखिलेश यादव, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की पुत्री के विवाह समारोह में शामिल होने प्रयागराज आए थे।

फ्लाइट डायवर्ट होने की वजह से देर रात तक फंसे रहे सीएम अब्दुल्ला, एक्स पर निकाला गुस्सा

नई दिल्ली। जम्मू से दिल्ली आ रही उनकी फ्लाइट को दिल्ली एयरपोर्ट की स्थिति खराब होने के कारण जयपुर डायवर्ट कर दिया गया, जिससे वह देर रात तक जयपुर एयरपोर्ट पर फंसे रहे। उमर अब्दुल्ला ने रात करीब 1 बजे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक सेल्फी शेयर की, जिसमें वह जयपुर एयरपोर्ट पर प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार रात दिल्ली हवाई अड्डे की अव्यवस्थाओं को लेकर सोशल मीडिया पर अपनी भड़ास निकाली। उन्होंने तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, दिल्ली एयरपोर्ट एक ब्लडी शिट शो है (माफ कीजिए मेरी भाषा के लिए लेकिन मैं फिलहाल विनम्र होने के मूड में नहीं हूं)। जम्मू से उड़ान भरने के तीन घंटे बाद हम जयपुर डायवर्ट हो गए और अब रात 1 बजे यहां प्लेन की सीढ़ियों पर खड़े होकर ताजी हवा ले रहा हूं। मुझे नहीं पता कि हम यहां से कब रवाना होंगे। उमर अब्दुल्ला की यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और कई यूजर्स ने दिल्ली एयरपोर्ट की तैयारियों पर सवाल खड़े किए। कुछ ने मौसम को जिम्मेदार ठहराया, जबकि कई लोगों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोल और समन्वय की कमी पर भी निशाना साधा। हालांकि, अब तक दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी या संबंधित एयरलाइन की ओर से इस डायवर्जन पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। सूत्रों के मुताबिक, खराब मौसम या रनवे कंजेशन इस डायवर्जन का कारण हो सकता है। यह पहली बार नहीं है जब उमर अब्दुल्ला ने सार्वजनिक रूप से किसी सेवा या प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर अपनी नाखुशी जाहिर की हो।

हैप्पी पसिया से उप्र पुलिस पूछेगी महाकुंभ पर हमले का प्लान

लखनऊ (एजेंसी)। अमेरिका से गिरफ्तार पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस भी सवाल लेकर बैठी है। उत्तर प्रदेश पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, लाजर मसीह की गिरफ्तारी के बाद की गई पूछताछ में हैप्पी पसिया का नाम सामने आया था। एडीजी (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने इस बात की पुष्टि की है और कहा है कि हरप्रीत को भारत लाए जाने के बाद यूपी पुलिस भी उससे पूछताछ करेगी। उत्तर प्रदेश पुलिस ने दावा किया है कि गिरफ्तार खालिस्तानी आतंकवादी नेता ने महाकुंभ पर हमले की भी योजना बनाई थी।

उत्तर प्रदेश पुलिस कुख्यात गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पसिया से पूछताछ की तैयारी में है। उसका नाम मार्च में कौशांबी जिले से गिरफ्तार किए गए बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक कथित ऑपरेटिव लाजर मसीह की पूछताछ के दौरान सामने आया था। हरप्रीत सिंह पंजाब में आतंकी गतिविधियों से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। उसे हाल ही में अमेरिका में एफबीआई ने गिरफ्तार किया है। भारतीय एजेंसियों, खासकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की रडार पर रहे हरप्रीत पर 10 लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस का दावा है कि मसीह प्रयागराज में संपन्न हुए 45 दिवसीय महाकुंभ के दौरान आतंकी हमले की योजना बना रहा था, जो 26 फरवरी को समाप्त हुआ था। उल्लेखनीय है कि मसीह पिछले वर्ष सितंबर में पंजाब पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था और तभी से उस पर नजर रखी जा रही थी। जैसे ही हैप्पी पसिया को भारत लाया जाएगा, सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उससे पूछताछ की जाएगी ताकि उसके आतंकी नेटवर्क और बीकेआई से जुड़ाव की गहराई से जांच की जा सके। लाजर मसीह अमृतसर का रहने वाला है। उस पर बब्बर खालसा इंटरनेशनल का सक्रिय सदस्य होने का आरोप है। यह संगठन पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े होने के लिए कुख्यात है। मसीह को मार्च में एसटीएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में कौशांबी के कोखराज क्षेत्र से पकड़ा गया था। गिरफ्तारी के समय उसके पास से ग्रेनेड, जिलेटिन रॉड, डेटोनेटर और एक पिस्तौल बरामद की गई थी।

उद्धव और राज ठाकरे साथ आएंगे तो होगी खुशी: फडणवीस

राउत ने रखी शर्त कहा- राज यूबीटी दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे फिर एक साथ आ सकते हैं। इस पर महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अगर दोनों साथ आते हैं तो हमें खुशी होगी। मतभेद मिटाना अच्छी बात है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को इस बात का संकेत दिए थे। राज ठाकरे ने कहा था कि हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हैं, विवाद हैं, झगड़े हैं, लेकिन यह सब महाराष्ट्र के आगे बहुत छोटी चीज हैं।

महाराष्ट्र और मराठी लोगों के हित के लिए साथ आना कोई बहुत बड़ी मुश्किल नहीं है। राज ठाकरे ने एक यू-ट्यूब चैनल पर यह बातें कहीं। राज से उद्धव के साथ गठबंधन पर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि किसी बड़े मकसद के आगे हमारे बीच की लड़ाइयां छोटी हैं। वहीं उद्धव का भी रिएक्शन सामने आया है, उन्होंने कहा कि मेरी तरफ से कभी कोई झगड़ा था ही नहीं। हालांकि राज्यसभा सांसद संजय राउत ने गठबंधन को लेकर शर्त रखी है।

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने कहा कि उद्धव शर्त के साथ राज से बातचीत को तैयार हैं, अगर राज ठाकरे महाराष्ट्र और शिवसेना (यूबीटी) के दुश्मनों को अपने घर में जगह न दें। वहीं शिवसेना नेता नरेश म्हस्के ने उद्धव से पूछा कि जब उन्होंने खुद राज को पार्टी से अलग किया तो अब एकजुटता की बात क्यों कर रहे हैं? वहीं नेता अंबादास दानवे ने कहा है कि दोनों भाई हैं, लेकिन उनकी राजनीति अलग है। अगर साथ आना है तो आमने-सामने बात होनी चाहिए, टीवी पर नहीं।

राज ठाकरे ने शिवसेना में उद्धव को उत्तराधिकारी घोषित करने के बाद 27 नवंबर 2005 को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अपनी पार्टी महाराष्ट्र नव निर्माण सेना बनाई थी। तब दोनों के बीच रिश्ते अच्छे नहीं रहे अब एक बार फिर राज ठाकरे ने उद्धव के साथ आने की इच्छा जाहिर की है।

उद्धव ठाकरे पर नितेश राणे ने साधा निशाना, पत्नी का नाम लेकर पूछा ये सवाल

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने राज ठाकरे के साथ उद्धव ठाकरे की सुलह की अटकलों के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख पर कटाक्ष किया है। राणे ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख से पूछा कि राज के बयान पर प्रतिक्रिया देने से पहले उन्होंने अपनी पत्नी रश्मि ठाकरे से सलाह ली थी। राणे ने एक हिंदी समाचार चैनल से बातचीत में कहा, 'आपको उद्धव ठाकरे से पूछना चाहिए कि क्या उन्होंने मनसे के साथ हाथ मिलाने से पहले रश्मि ठाकरे की अनुमति ली है। ऐसे फैसलों में उनकी राय अधिक मायने रखती है।' मंत्री ने आरोप लगाया कि यह रश्मि ठाकरे ने ही राज ठाकरे को शिवसेना से बाहर निकालने में मुख्य भूमिका निभाई थी, जबकि उस समय दोनों चचेरे भाइयों के बीच कोई बड़ा मतभेद नहीं था। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के एक साथ आने की संभावना पर राणे ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति ने जोरदार जीत हासिल की है। उन्होंने कहा, 'इसलिए हम उनके बीच किसी गठबंधन को लेकर चिंतित नहीं हैं।' मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के फिर से साथ आने की संभावना का स्वागत किया और इसे एक सकारात्मक कदम बताया। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, 'अगर दोनों साथ आते हैं, तो हमें खुशी होगी। अगर लोग अपने मतभेद सुलझा लेते हैं, तो यह अच्छी बात है। मैं इसके बारे में और क्या कह सकता हूं?'

निशिकांत दुबे के बयान पर भड़के ओवैसी बोले- ये तो सुप्रीम को धार्मिक युद्ध की धमकी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान पर हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी भड़क गए हैं। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि उन लोगों को नहीं मालूम की अनुच्छेद 142 क्या है। ये वो अनुच्छेद है जिसे खुद डॉ अंबेडकर ने तैयार किया था। उन्होंने कहा कि भगवा पार्टी के समर्थक इतने ज्यादा कट्टरपंथी हो गए हैं कि वे अब खुले आम न्यायपालिका को धार्मिक युद्ध की धमकी दे रहे हैं। सांसद निशिकांत के इस बयान से भारतीय जनता पार्टी ने खुद को किनारे कर लिया है। अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके कहा कि पार्टी का इस बयान से कुछ भी लेना-देना नहीं है। उन सांसदों को आगे से ऐसा बयान न देने के लिए निर्देशित किया गया है।

ओवैसी ने सीधा पीएम मोदी को संबोधित करते हुए कहा, मोदी जी अगर आप इन लोगों को नहीं रोकेंगे तो देश कमजोर हो जाएगा। देश आपको माफ नहीं करेगा और कल आप सत्ता में नहीं रहेंगे।

निशिकांत दुबे के बयान पर लगभग सभी विपक्षी पार्टियों ने अपनी आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेता बीवी श्रीनिवास ने दुबे पर निशाना साधते हुए कहा, निशिकांत दुबे जैसे उपद्रवी सांसदों में अपने आकाओं के आदेश के बिना सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश के खिलाफ मुंह खोलने की हिम्मत नहीं है। नड्डा, आप कब तक राम बोलकर छुरा घोंपेंगे? भाजपा के नेताओं पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा, आप लोग (भाजपा) ट्यूबलाइट हैं। इस तरह से अदालत को धमका रहे हैं। क्या आपको पता भी है कि अनुच्छेद 142 क्या है? इसे बीआर अंबेडकर ने तैयार किया था। भाजपा धोखाधड़ी कर ही है और धार्मिक युद्ध की धमकी दे रही है। आपको बता दें कि अनुच्छेद 142 के प्रावधान के तहत सुप्रीम कोर्ट अपने समक्ष आए किसी भी मामले में पूर्ण न्याय देने का अधिकार होता है।

ये थे निशिकांत दुबे के बोल

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट और मुख्य न्यायाधीश पर गृह युद्ध को भड़काने का आरोप लगाया था। सुप्रीम कोर्ट के अधिकार पर सवाल उठाते हुए दुबे न कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।उन्होंने कहा,सुप्रीम कोर्ट का एक ही उद्देश्य है कि तुम मुझे चेहरा दिखाओ.. मैं तुम्हें कानून दिखाऊंगा। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से आगे जा रहा है। अगर हर चीज सुप्रीम कोर्ट में ही तय होनी है तो संसद और राज्य विधानसभा को बंद कर देना चाहिए।

मुर्शिदाबाद हिंसा: गुस्से में बोलीं ममता फूट डालकर राज करना चाहती है भाजपा-आरएसएस

कोलकाता (एजेंसी)। राज्य की जनता के लिए लिखे एक शांति पत्र में ममता ने वक्फ विधेयक के खिलाफ मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए कहा कि वहां जो हुआ वह नहीं होना चाहिए था लेकिन आज राज्य की विपक्षी पार्टियां उस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का इस्तेमाल अपनी राजनीति के लिए कर रहीं हैं। भारतीय जनता पार्टी और संघ जिस विभाजनकारी राजनीति का खेल खेलने की योजना बना रहे हैं वह बहुत ही भयावह है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के ऊपर मुर्शिदाबाद हिंसा का इस्तेमाल करके फूट डालो और राज करो की राजनीति करने का आरोप लगाया।

विपक्ष पर हमला बोलते हुए सीएम ममता ने कहा कि राज्य में भाजपा और उसके सहयोगी बहुत ज्यादा आक्रामक हो गए हैं। यह पूरे राज्य में भ्रामक और झूठा अभियान चला रहे हैं।अपने पत्र में ममता ने राज्य की जनता को भरोसा दिलाते हुए कहा कि राज्य में सांप्रदायिक दंगों में शामिल सभी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही उन्होंने लोगों से आपस में भरोसा रखने और आपसी अविश्वास से बचने का आग्रह किया। ममता ने लिखा, उन लोगों ने मुख्य रूप से रामनवमी के दिन आग से खेलने की योजना बनाई थी लेकिन पश्चिम बंगाल में रामनवमी का उत्सव बेहद ही शांतिपूर्ण रहा। इसके बाद जब केंद्र सरकार जब वक्फ संशोधन अधिनियम लेकर आई तो इसके खिलाफ आंदोलन से संबंधित कुछ मामलों का हिंसात्मक उपयोग करने की कोशिश की गई।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी और उसकी सहयोगी पार्टियों पर हिंदू धर्म को अपने राजनैतिक एजेंडे के नाम पर बदनाम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का धर्म भारत का सार्वभौमिक धर्म है।

राजस्थान समेत कई राज्यों में झुलसाने वाली भीषण गर्मी से राहत दिलाएगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान सहित कई राज्यों भीषण गर्मी और तपन का दौर चला रहा है। अधिकतर हिस्सों में हीटवेव का प्रकोप नजर आने लगा है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक आने वाले दिनों में राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ समेत देश के बड़े हिस्से में हीटवेव बनी रहेगी। वहीं राजधानी दिल्ली में हल्के बादल छाए रहेंगे। तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ की वजह से कई इलाकों में भारी बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ की वजह से 20 अप्रैल को बारिश के आसार हैं। तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ कई जिलों में तेज बारिश हो सकती है। उत्तराखंडी की बात करें तो कई जगहों पर हल्की बर्फबारी भी हो सकती है। वहीं हिमाचल प्रदेश और ओडिशा के कई हिसों में ओले गिरने की संभावना है।

20 और 21 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा के कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तर प्रदेश में ज्यादातर जगहों पर गर्मी में बढ़ोतरी देखी जा रही है। रात का तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। फिलहाल बारिश या तापमान से राहत की कोई संभावना नहीं है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में अगले तीन-चार दिन लगातार तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। मध्य महाराष्ट्र में आर्द्रता की वजह से उमस रहेगी। राजस्थान के बीकानेर, जैसलमेर, चुरु और अन्य कई जिलों में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

शनिवार को महाराष्ट्र के नागपुर में सबसे ज्यादा तापमान 44.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इससे पहले शुक्रवार को अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। 24 घंटे में ही तापमान में इतनी बढ़ोतरी दर्ज की गई जो कि सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।मौसम विभाग की भविष्यवाणी की मानें तो आने वाले दिनों में दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। शनिवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। यह सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक था। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में हल्की बूंदाबांदी होने के आसार हैं जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हवाओं की स्पीड 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटा रह सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संकट से जूझ रही पाकिस्तानी एयरलाइंस, अब निजी हाथों में देने की तैयारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्राधिकारियों ने सरकारी विमानन कंपनी 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' को बेचने के प्रयास विफल रहने के बाद इसकी बिक्री की नए सिरे से कोशिश करने का फैसला किया है। नकदी संकट से जूझ रही पीआईए के निजीकरण पर सालों से विचार किया जा रहा है और इसके लिए 2024 में बोली लगाई गई थी लेकिन सरकार बड़ा खरीदार आकर्षित करने में विफल रही और बोली लगाने वाली एकमात्र कंपनी ने मात्र 10 अरब रुपए की पेशकश की जिसे अस्वीकार कर दिया गया था। पाकिस्तान के निजीकरण और निवेश मंत्री अब्दुल अलीम खान ने पिछले महीने कहा था कि पीआईए के निजीकरण का काम मई तक पूरा कर लिया जाएगा। निजीकरण आयोग की बैठक में अगले सप्ताह से बिक्री प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया गया है। बयान में कहा गया कि पीआईएसीएल के पृथक्करण के लिए रुचि की अभिव्यक्ति का एक नया विज्ञापन अगले सप्ताह प्रकाशित करने की योजना है। इसमें कहा गया कि एजेंडे के शेष मदों पर विचार करने के लिए बैठक की जाएगी। पीआईए पिछले कई सालों से वित्तीय संकट से जूझ रही है। यह समस्या 2023 में तब आई जब पीआईए के 7,000 कर्मचारियों को वेतन नहीं दिया। इससे पहले यूरोपीय संघ ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण 2020 में पीआईए पर प्रतिबंध लगा दिया था।

विमान कर रहा था लैंडिंग टूट गया पहिया, यात्रियों में मचा हड़कंप

-एक यात्री ने फेसबुक पर लिखा-ऐसा लगा अब हमारी कहानी खत्म

वाशिंगटन। अमेरिकी विमान कंपनी फ्रंटियर एयरलाइंस के विमान का एक पहिया टूट गया। विमान ने फ्लोरिडा से प्यूर्टो रिको के सैन जुआन के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन लैंडिंग के समय इसके फ्रंट लैंडिंग गियर में गड़बड़ी आ गई। वायरल वीडियो में विमान की खिड़की के बाहर धुआं निकलता नजर आ रहा है, जबकि विमान के अंदर से यात्रियों के रोने की आवाज आ रही हैं। एक पैसेंजर ने इस हादसे के बारे में फेसबुक पर लिखा- कुछ मिनटों के लिए लगा कि अब हमारी कहानी खत्म हो गई है। हकीकत तो यह है कि अनुभवहीन लोग विमान को उड़ा रहे थे। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन और नेशनल ट्रांसपोर्ट सेफ्टी बोर्ड इस मामले की जांच कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के 228 यात्रियों को ले जा रहे एयरबस ए321 की लैंडिंग के दौरान फ्रंट लैंडिंग गियर का एक पहिया टूट गया। इस हादसे में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, सभी यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया और विमान को बस से टर्मिनल तक पहुंचाया। फ्रंटियर एयरलाइंस ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि विमान सुरक्षित रूप से लैंड कर गया, किसी पैसेंजर या क्रू मेंबर को कोई चोट नहीं आई। घटना की जांच की जा रही है। घटना मंगलवार की बताई जा रही है।

चीन ने फिर किया कमाल! इंसान और रोबोट्स की कराई दौड़

-21 किमी की दौड़ में इंसान को पानी तो रोबोट्स को पड़ी बैटरी की जरुरत

बीजिंग। आपने इंसानों की दौड़ तो देखी होगी लेकिन चीन ने अपने यहां एक अनोखी दौड़ का आयोजन किया यह दौड़ इंसान और रोबोट के बीच थी। बीजिंग में शनिवार को इंसानों और रोबोट्स के बीच हाफ मैराथन दौड़ हुई। यह पहली बार था जब रोबोट्स ने 21 किलोमीटर की दूरी इंसानों के साथ पूरी की। ये आयोजन बीजिंग के दक्षिण-पूर्वी यिझुआंग जिले में हुआ, जहां चीन की कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों केक ऑफिस हैं। इसका दौड़ का मकसद रोबोटिक्स और टेक्नोलॉजी की दुनिया में चीन की तरक्की दिखाना था। चीन की ड्रॉयडअप और नोएटिक्स रोबोटिक्स जैसी कंपनियों के रोबोट्स ने भी इस दौड़ में भाग लिया। दौड़ में शामिल कुछ रोबेट्स का साइज 120 सेमी यानी 3.9 फीट से भी कम था, जबकि कुछ 1.8 मीटर यानी 5.9 फीट तक ऊंचे थे। बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूमन रोबोटिक्स के रोबोट तियांगोंग अल्ट्रा ने मशीनों में सबसे पहले 2 घंटे 40 मिनट में यह रेस पूरी की जबकि इंसान को रेस पूरी करने में 1 घंटे 2 मिनट का समय लगा। सबसे कम वक्त में 21 किमी की मैराथन पूरी करने का रिकॉर्ड जैकब किप्लिमो जिन्होंने 56 मिनट 42 सेकेंड के नाम है। रेस के दौरान जिस तरह इंसानों को बीच दौड़ के बीच में पानी की जरूरत पड़ती है उसी तरह रोबोट्स को बैटरियां बदलने की परमिशन थी। रोबोट के साथ इंसानी ट्रेनर भी थे, जिन्होंने दौड़ के दौरान रोबोट्स को सहारा दिया। कुछ रोबोट्स ने रनिंग शूज पहने थे, एक ने बॉक्सिंग ग्लव्स भी पहने थे और दूसरे ने लाल रंग का हेंड-बैंड पहना था जिस पर चीनी भाषा में बाउण्ड टू विन यानी जीतने के लिए तैयार हैं लिखा था। रोबोटिक्स सेंटर के चीफ टेक्नोलॉजी अधिकारी ने कहा कि तियांगोंग अल्ट्रा को दौड़ने के दौरान लंबी टांगों और एक एल्गोरिथ्म की मदद मिली। इस वजह से यह इंसानों की तरह मैराथन दौड़ पाया। उन्होंने कहा कि वह शेखी नहीं बघारना चाहता, लेकिन उसे लगता है कि पश्चिम देशों में कोई भी अन्य रोबोटिक्स फर्म तियांगोंग की स्पोर्ट्स अचीवमेंट्स की बराबरी नहीं कर सकती। दौड़ के दौरान रोबोट की सिर्फ तीन बार बैटरी बदली गई।

रूस-यूक्रेन के बीच चल रही जंग को खत्म करवाने में जुटे ट्रंप को नहीं मिल रही कामयाबी?

वाशिंगटन (एजेंसी)। बीते तीन सालों से रूस-यूक्रेन की जंग चल रही है। अमेरिका अपने कथित स्वार्थों को पूरा करते हुए यह जंग खत्म कराने के प्रयास कर रहा है। लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिल रही है। माना जा रहा है कि ट्रंप इस डील से पीछे हट सकते हैं।अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को साफ शब्दों में कहा कि अगर यूक्रेन युद्ध खत्म करना मुमकिन नहीं लगता, तो अमेरिका 'कुछ ही दिनों' में इस प्रयास से हट सकता है। यह बयान पेरिस में यूरोपीय और यूक्रेनी अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के हालिया बयान ने साफ कर दिया है कि अगर अगले कुछ दिनों में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई, तो अमेरिका शांति प्रक्रिया से पीछे हट सकता है।

अमेरिकी प्रशासन के भीतर यह निराशा बढ़ती जा रही है कि पिछले कई महीनों की कोशिशों के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है। ट्रंप प्रशासन ने एक शांति प्रस्ताव तैयार किया है, जिसमें सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अमेरिका रूस के क्रीमिया पर नियंत्रण को मान्यता देने को तैयार है। यह वही क्रीमिया है, जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से जबरन छीन लिया था। अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है, तो यह पुतिन के लिए एक बड़ी जीत होगी।दूसरी ओर, यूक्रेन को लेकर ट्रंप प्रशासन का रवैया अब और सख्त होता जा रहा है। ट्रंप ने यह भी साफ कर दिया कि अमेरिका यूक्रेन को अनंतकाल तक फंड नहीं कर सकता और यूरोपीय देशों को अपनी ज़िम्मेदारी निभानी होगी। मार्को रूबियो ने साफ तौर पर कहा, यह हमारी जंग नहीं है। हमने यूक्रेन की मदद की है, लेकिन अगर कोई हल नहीं निकलता, तो हम पीछे हट जाएंगे। ट्रंप की नजर में अब समय आ गया है कि दोनों पक्ष गंभीरता दिखाएं। अगर कोई पक्ष खेल खेलता रहा, तो ट्रंप साफ कहेंगे - तुम मूर्ख हो, तुम बेकार लोग हो - और फिर अमेरिका किनारा कर लेगा। ट्रंप ने सीधे तौर पर यह नहीं कहा कि वह पूरी तरह से बातचीत छोड़ देंगे या यूक्रेन को सैन्य सहायता रोक देंगे, लेकिन उनका लहजा साफ था- अब और सब्र नहीं। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) ने ट्रंप प्रशासन की चिंता को गंभीरता से लिया है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि हम समाधान की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। वहीं, रूस के सांसद एवगेनी पोपोव ने अमेरिकी बयान को कीव के लिए अंतिम चेतावनी बताया। इन कूटनीतिक गतिविधियों के बीच, जमीनी सच्चाई यह है कि रूस ने खारकीव शहर पर मिसाइल हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 67 घायल हो गए। इस हमले ने एक बार फिर ये साबित कर दिया है कि शांति की कोशिशें अभी अधूरी हैं और युद्ध की आग बुझने से दूर है।अगर शांति वार्ता से अमेरिका अलग होता है, तो यूक्रेन की सैन्य क्षमता और यूरोप की तैयारी दोनों सवालों के घेरे में आ जाते हैं। यूरोप अभी भी फ्रंटलाइन पर हथियारों और संसाधनों की कमी से जूझ रहा है, और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पहले से ही जर्जर है। इस स्थिति में, अमेरिका का हटना कीव के लिए एक कूटनीतिक झटका होगा।

ईस्टर पर सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए पोप फ्रांसिस

पोप फ्रांसिस ईस्टर रविवार के अवसर पर सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों लोगों को आशीर्वाद देने हेतु कुछ समय के लिए जनता के सामने आए और सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर लोगों की भीड़ ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। पोप को हाल में निमोनिया हो गया था और वह इससे उबर रहे हैं। पोप फ्रांसिस ने लोगों को ईस्टर की शुभकामनाएं देते हुए कहा, ''भाइयो और बहनों, ईस्टर की शुभकामनाएं!'' उनकी आवाज पहले की तुलना में अधिक प्रभावशाली प्रतीत हो रही थी। पोप फ्रांसिस ने पियाजा में ईस्टर की प्रार्थना में हिस्सा नहीं लिया बल्कि इसे सेंट पीटर्स बेसिलिका के सेवानिवृत्त कार्डिनल एंजेलो कोमास्ट्री को सौंप दिया। लेकिन प्रार्थना समाप्त होने के बाद, फ्रांसिस बेसिलिका के प्रवेश द्वार के ऊपर स्थित लॉजिया बालकनी पर दिखाई दिए। नीचे मौजूद हजारों लोगों ने खुशी का इजहार किया, जब सैन्य बैंड ने होली सी और इतालवी राष्ट्रगान की धुन बजाई। फ्रांसिस ने बालकनी से हाथ हिलाया और फिर एक सहयोगी से अपना भाषण पढ़ने को कहा।

विदेशी ताकतों की कठपुतली बनें यूनुस बनेंगे बांग्लादेश की तबाही का सबब

-शेख हसीना का वर्चुअल संबोधन वाला वीडियो फिर हुआ वायरल

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और अवामी लीग की प्रमुख शेख हसीना ने अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोला है। अपने एक वर्चुअल संबोधन में हसीना ने यूनुस को सत्ता का भूखा और विदेशी शक्तियों की कठपुतली करार देते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने देश को तबाही की राह पर धकेलने की गहरी साजिश रची है। शेख हसीना का यह वीडियो एक बार फिर तेजी से वायरल हुआ है और चर्चा का विषय बना हुआ है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लगभग 8 मिनट के इस वीडियो संदेश में यूनुस पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है, कि यह आत्मकेंद्रित और पैसों का लालची व्यक्ति बांग्लादेश की आजादी की पहचान को मिटाने पर तुला है। बीएनपी और जमात-ए-इस्लामी के साथ मिलकर यूनुस ने अवामी लीग के नेताओं को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। देशभर में हमारे समर्थकों के कारोबार, अस्पताल और यहां तक कि स्मारकों तक को आग के हवाले किया जा रहा है। पूर्व प्रधानमंत्री ने चेतावनी भरे लहजे में कहा, यूनुस, आग से खेलोगे तो वो तुम्हें जला देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके नेतृत्व में बनाए गए मुक्ति योद्धा स्मारकों को जलाया जा रहा है और आजादी के नायकों का अपमान खुलेआम किया जा रहा है।

हसीना ने आरोप लगाया कि यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति चरमराई है। उन्होंने कहा, हजारों कारखाने बंद हो चुके हैं, डॉक्टरों को बर्खास्त किया जा रहा है, और पुलिस की वर्दी ऐसे राजनीतिक कार्यकर्ताओं को दी गई है जो किसी भी तरह से उपयुक्त नहीं हैं,।

अबू सईद की मौत पर सनसनीखेज खुलासा

संबोधन में शेख हसीना ने बीते वर्ष कोटा आंदोलन के दौरान मारे गए अबू सईद की मौत पर भी सनसनीखेज खुलासा किया। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में इस मौत को पुलिस द्वारा जानबूझकर हत्या बताया गया था, लेकिन हसीना ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि पुलिस ने केवल रबर बुलेट का इस्तेमाल किया था। सईद की मौत पत्थर से सिर कुचले जाने से हुई थी। लेकिन फिर 7.62 एमएम की असली गोली वहां कैसे पहुंची? यह साबित करता है कि यह सब पूर्व नियोजित साजिश थी। हसीना ने यह भी आरोप लगाया कि जब इस हत्या की जांच शुरू हुई, तब यूनुस ने संबंधित अधिकारी को पद से हटा दिया। उन्होंने मांग की कि अबू सईद के शव का दोबारा परीक्षण किया जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि आज असली दोषियों को इनाम मिल रहा है और निर्दोषों को सजा दी जा रही है। जो पुलिसवाले हिंसा में घायल हुए, उन्हें भुला दिया गया और हिंसा करने वालों को मुआवजा दिया गया, यह सब हसीना ने दुख जताते हुए कहा है।

गौरतलब है कि शेख हसीना वर्तमान में निर्वासन में हैं और भारत में रहकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी पार्टी अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों से संवाद बनाए रखती हैं। हसीना का यह बयान ऐसे समय में आया जबकि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता और सत्ता संघर्ष चरम पर है। उनका यह तीखा हमला यह संकेत देता है कि आने वाले समय में बांग्लादेश की राजनीति में और अधिक उथल-पुथल देखने को मिल सकती है।

खालिस्तानियों के हौसले बुलंद, अब गुरुद्वारे की दीवार पर लिखे भारत विरोधी नारे

वैंकूवर (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तानियों को हौसले बुलंद हैं। यहां वैंकूवर में एक ऐतिहासिक गुरुद्वारे पर खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने भारत विरोधी नारे लिख दिए। खालिस्तानियों की इस हरकत के बाद गुरुद्वारे के प्रवक्ता ने कहा कि अलगाववादी सिखों के एक गुट ने हमारे पवित्र गुरुद्वारे की दीवारों को दूषित किया है और उनपर खालिस्तानी नारे लिख दिए हैं।

गुरुद्वारे की तरफ से कहा गया कि यह खालसा साजणा दिवस के मौके पर हम एकता की कसम खाते हैं। एक समूह द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय है। कट्टरपंथी ताकतें सिखों को बांटना चाहती हैं और यह खौफ पैदा करने की कोशिश है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी हमारे बुजुर्गों के बलिदान को नहीं समझ पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्गों ने विविधता और स्वतंत्रता के लिए अपना बलिदान दिया है। हम उनकी फूट डालने की कोशिश कामयाब नहीं होने देंगे।

बता दें कि यह गुरुद्वारा 1906 में बनाया गया था। बीते रविवार को गुरुद्वारे में नगर कीर्तन और बैसाखी परेड का आयोनज किया गया था। इन कार्यक्रमों में खालिस्तान समर्थकों को शामिल होने से रोक दिया गया था। खालिस्तानियों ने गुरुद्वारे के अलावा सूरी और ब्रिटिश कोलंबिया में मंदिरों को भी टारगेट किया है। यहां भी दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखे गए हैं।

मंदिर के प्रवक्ता ने कहा कि कनाडा में हिंदुओं और सिखों में एकता बनाए रखने के लिए लक्ष्मीनारायण मंदिर बढ़-चढ़कर काम करता है। इसीलिए मंदिर को भी निशाना बनाया गया है। यह संयोग नहीं है बल्कि नियोजित तरीके से ये नारे लिखे गए हैं। बीते साल दिसंबर में रॉस स्ट्रीट गुरुद्वारे में करीब हिंदुओं और सिख समुदाय के 60 लोग एकत्रित हुए थे। उन्होंने ऐलान किया था कि फूट डालने वालों की साजिश को नाकाम किया जाएगा। 2023 और 2024 में कनाडा में कई मंदिरों पर हमले किए गए। पुलिस अब तक उन उपद्रवियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई है। लक्ष्मी नारायण मंदिर में भी खालिस्तानियों ने उपद्रव किया था।

हैती पर भुखमरी का संकट: जून तक आधी से अधिक आबादी गंभीर खतरे में होने की आशंका

गाजा (एजेंसी)। हैती एक गहरे मानवीय संकट की ओर बढ़ रहा है, जहां देश की आधी से अधिक आबादी जून 2025 तक गंभीर भुखमरी की चपेट में आ सकती है। संयुक्त राष्ट्र समर्थित संस्था एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (आईपीसी) की ताजा रिपोर्ट में यह चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार लगातार गिरती अर्थव्यवस्था, सुरक्षा की गंभीर स्थिति, और सशस्त्र गिरोहों के बीच बढ़ती हिंसा इस आपात स्थिति के मुख्य कारण हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में लगभग 57 लाख हैतीवासी गंभीर खाद्य असुरक्षा की स्थिति में हैं। इसके अलावा, 8,400 लोग ऐसे अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं, जहां भुखमरी का खतरा और भी अधिक है। पहले इन शरणस्थलों में भोजन और पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से की जाती थी, लेकिन अमेरिका की ओर से विदेशी सहायता अनुबंधों में 90त्न तक की कटौती के बाद हालात और बिगड़ गए हैं।

रिपोर्ट बताती है कि अगस्त 2024 से फरवरी 2025 तक करीब 9.77 लाख लोगों को मासिक खाद्य सहायता मिली, लेकिन उनमें से अधिकतर को आधा राशन ही मिल पाया। इससे यह साफ होता है कि हालात तेजी से गंभीर हो रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय सहायता की सख्त जरूरत है। इस बीच यूनिसेफ ने भी चिंता जताई है कि देश में करीब 28.5 लाख बच्चे भुखमरी का सामना कर रहे हैं, जो हैती के भविष्य के लिए एक गहरी चेतावनी है।

भुखमरी के प्रमुख कारण

सशस्त्र गिरोहों का नियंत्रण: राजधानी पोर्ट-औ-प्रिंस समेत कई क्षेत्रों में हथियारबंद गिरोहों का बोलबाला है, जिससे सामान्य जीवन ठप हो गया है। राजनीतिक अस्थिरता और भ्रष्टाचार: लंबे समय से चली आ रही सरकारों की असफलताएं और प्रशासनिक ढांचे की कमजोरियां स्थिति को और जटिल बना रही हैं। आर्थिक पतन: मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के उच्च स्तर ने आम जनता की क्रय शक्ति को समाप्त कर दिया है। विदेशी सहायता में कटौती: अमेरिका सहित अन्य देशों से आने वाली सहायता में भारी गिरावट के कारण राहत प्रयास सीमित हो गए हैं। हैती में भुखमरी एक मानवीय त्रासदी का रूप ले चुकी है, जिसे टालने के लिए तुरंत और ठोस अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप की आवश्यकता है। अगर हालात पर जल्द काबू नहीं पाया गया, तो यह संकट लाखों लोगों की जान के लिए खतरा बन सकता है, खासकर उन बच्चों के लिए, जो पहले से ही कुपोषण की मार झेल रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया मे प्रतिबंध

ऑस्ट्रेलिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने दिसंबर 2024 में ऑनलाइन सेफ्टी अमेंडमेंट एक्ट पारित किया है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल 10 दिसंबर 2025 के बाद से यह एक्ट प्रभाव में आ जाएगा। इसके बाद 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग ऑस्ट्रेलिया में नहीं कर पाएंगे। बच्चों के लिए टिकटोक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट,फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लग जाएगा।सोशल मीडिया की कंपनियों को 16 साल से कम उम्र के बच्चों को प्लेटफार्म से हटाना पड़ेगा। 16 वर्ष से कम उम्र का यदि एक भी बच्चा सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का उपयोग करता हुआ पाया गया। ऐसी स्थिति में 3।1 करोड डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 275 करोड रुपए होते हैं। सोशल मीडिया कंपनी को यह जुर्माना अदा करना होगा। सारी दुनिया के देशों में छोटे बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए बड़े प्रयास किया जा रहे हैं। बच्चे खेल के मैदान से गायब हो गए हैं।अपनी उम्र के बच्चों के साथ उनका बोलना खेलना कूदना सब बंद हो गया है। बच्चों को वास्तविक पारिवारिक और सामाजिक ज्ञान नहीं मिल रहा है। खेलकूद नहीं होने के कारण बच्चों के स्वास्थ्य में भी विपरीत असर देखने को मिल रहा है। जिसके कारण दुनिया भर में चिंता देखी जा रही है। अमेरिका मे 13 वर्षीय कम उम्र के बच्चों की जानकारी एकत्रित की जा रही है। इन्हें सोशल मीडिया से दूर करने की पहले शुरू की गई है।

ब्रिटेन में 2023 के पारित कानून के अनुसार सोशल मीडिया पर बच्चों के लिए हानिकारक सामग्री की पहचान कर प्लेटफार्म से हटाने की जवाब देही सोशल मीडिया कंपनियों पर सरकार ने डाली है।

फ्रांस में 2023 में पारित कानून के अनुसार 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया अकाउंट खोलने के पहले माता-पिता की सहमति सोशल मीडिया कंपनियों के लिए जरूरी की गई है।

जर्मनी में 16 वर्ष या उससे कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया का उपयोग करने के लिए अपने माता-पिता की अनुमति को अनिवार्य किया गया है।

आतंकियों को पनाह देने वाले पाकिस्तान के लिए संकट खड़ा कर रहे आतंकवादी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और वहां की सेना आतंकवादियों को पोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। ये आतंकवाद अब इतना ताकतवर हो चुका है कि पाकिस्तान को ही डराने धमकाने लगा है। हालात ऐसे हो चुके हैं कि पाकिस्तान सरकार, आर्मी या फिर पुलिस पूरी ताकत लगाकर उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे बेकाबू हो चुके हैं। डेटा से भी इसकी पुष्टि होती है। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान के दौरान चार आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान प्रांत के स्वात जिले में चलाया गया। साल 2025 के शुरुआती तीन महीनों में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे जा चुके हैं।

रिपोर्ट के अनुसार हमलों में फ्रंटियर कोर (एफसी) के 34 जवानों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2025 में देश में आतंकवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो पिछले महीने की तुलना में 42 प्रतिशत अधिक है।रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि देश भर में कम से कम 74 आतंकवादी हमले हुए, जिसके चलते 91 लोगों की मौत हुई, जिनमें 35 सुरक्षाकर्मी, 20 नागरिक और 36 आतंकवादी शामिल थे। इसके अलावा, 117 लोग घायल हुए, जिनमें सुरक्षा बलों के 53 सदस्य, 54 नागरिक और 10 आतंकवादी शामिल थे। खैबर पख्तूनख्वा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत रहा, उसके बाद बलूचिस्तान का स्थान रहा। खैबर पख्तूनख्वा के जिलों में आतंकवादियों ने 27 हमले किए, जिसके कारण 19 लोग मारे गये, जिनमें 11 सुरक्षाकर्मी, छह नागरिक और दो आतंकवादी शामिल थे।

रिपोर्ट के अनुसार आईएसपीआर ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों से उनके ठिकाने पर मुठभेड़ की जिसमें चारों आतंकवादी मारे गए। आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि मारे गए आतंकी क्षेत्र में कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने बुधवार को डेरा इस्माइल खान जिले के मद्दी इलाके में चार आतंकवादियों को मार गिराया था। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 के पहले तीन महीनों में खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में आतंकवादी हमलों में 152 लोग मारे गए। मरने वालों में पुलिस वाले, सुरक्षाकर्मी और आम नागरिक शामिल थे। केपी पुलिस की एक रिपोर्ट के अनुसार, इन घटनाओं में 302 व्यक्ति घायल भी हुए। रिपोर्ट में कहा गया है कि आमलोग सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। जनवरी से मार्च के बीच 45 लोगों की मौत हुई और 127 लोग घायल हुए। पुलिस बल ने 37 सदस्यों को खो दिया, जबकि 46 अन्य घायल हुए।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस ने कुल 3 बच्चों और 2 किशोरों को बाल श्रम से मुक्त कराया

17 घंटे तक बाल मजदूरी, 200 पगार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक बड़ा रैकेट उजागर हुआ है, जिसमें बच्चों का शोषण किया जा रहा था। दो बच्चे किसी तरह पुलिस थाने पहुंच गए और पुलिस ने 17 घंटे काम करने के बदले केवल 200 रुपये दिए जाने की घटना का खुलासा किया। पुलिस ने इन बच्चों के साथ 5 किलोमीटर पैदल चलकर अन्य तीन बच्चों को भी मुक्त कराया। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और शोषण करने वाले आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

ये बच्चे सुबह 5 बजे से लेकर रात 10 बजे तक लगातार 17 घंटे काम करते थे और मालिक द्वारा मारपीट का भी शिकार होते थे। दो बच्चों ने हिम्मत जुटाकर पुलिस स्टेशन पहुंचकर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने इनकी पूछताछ की और दो दिन तक बच्चों को अपने पास रखा। इसके बाद वे पैदल चलकर कारखाने तक पहुंचे और वहां से एक अन्य बच्चे और दो किशोरों को मालिक की गिरफ्त से मुक्त कराया।

मिलती जानकारी के अनुसार, 18 अप्रैल की रात को सात-सात साल के दो बच्चे गोडादरा पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। डरते हुए इन दोनों बच्चों ने पुलिस से पूछताछ करने पर बताया कि वे राजस्थान के उदयपुर जिले के एक गांव से हैं। उन्होंने यह भी चौंकाने वाला खुलासा किया कि उन्हें उनके गांव से लाकर सूरत में साड़ी बनाने के कारखाने में काम करने के लिए रखा गया था, जहां उन्हें लगातार 17 घंटे तक बाल मजदूरी करवाई जाती थी। इसके बाद गोडादरा पुलिस ने दोनों बच्चों को कतरगाम स्थित चाइल्ड वेलफेयर सेंटर भेज दिया।

इसके बाद महिला सेल की एसीपी मिनी जोसफ बच्चों से मिलने पहुंचीं और विस्तृत पूछताछ करने पर उन्होंने एक और चौंकाने वाला खुलासा किया। बच्चों ने बताया कि सिर्फ वे नहीं, बल्कि एक और बच्चा और दो किशोरों को भी इस कारखाने में काम करने के लिए रखा गया था। इसके बाद पुलिस ने अलग-अलग टीमों का गठन कर कारखाने की तलाश शुरू करने का फैसला किया। बच्चों ने कारखाने की ओर उंगली से इशारा करके पुलिस को अंदर पहुंचने का रास्ता दिखाया बच्चों को कारखाना तो याद था, लेकिन वे रात को भाग गए थे और काफी दूर चलने के कारण वे सही स्थान के बारे में अनजान थे। अन्य बच्चों को बचाने के लिए वराछा, पुना और गोडादरा इन तीन पुलिस थानों से महिला पीएसआई की अगुवाई में तीन टीमें बनाई गई थीं। ये टीमें दो दिनों तक बच्चों के साथ पैदल चलते हुए कारखाने का पता लगाने में जुटी रही। फिर 19 अप्रैल को पुना सीताराम सोसाइटी के पीछे बिलनाथ सोसाइटी में स्थित कारखाने की ओर बच्चों ने उंगली से इशारा किया, जिससे पुलिस को अंदर पहुंचने का रास्ता मिल गया।

मालिक उन्हें उठा देता और अगर वे देर से उठते या काम में आलस्य करते, तो उन्हें मारा जाता। रात 10 बजे तक 17 घंटे की काली मजदूरी के बदले उन्हें केवल 200 रुपये रोज़ का मेहनताना मिलता था, और दोपहर में सिर्फ एक घंटे का ब्रेक मिलता था।

वराछा की महिला सब इंस्पेक्टर एफ.एस. चौधरी की शिकायत के आधार पर पुणा पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज किया और कारखाना चलाने वाले प्रकाश भूरिलाल भूरिया (रह. गौरणा गाण, ता. जाडोद, जि. उदेपुर) को गिरफ्तार किया।

लोग भी एफआईआर कर सकते हैं

तंत्र बालमजदूरों को मुक्त कराए, तो ही नहीं, भारत का कोई भी नागरिक बालमजदूर रखने वाले व्यक्ति के खिलाफ पुलिस थाने में कानून के प्रावधानों के तहत एफआईआर दर्ज करवा सकता है। जागरूक नागरिक यदि मैदान में आएं, तो यह दुष्टाचार अवश्य दूर हो सकता है।

14 वर्ष से नीचे के बच्चों को किसी भी प्रकार के काम में रखना और 14 वर्ष से ऊपर तथा 18 वर्ष से कम उम्र के किशोरों को जोखिमपूर्ण व्यवसाय या प्रक्रियाओं में काम में रखना प्रतिबंधित है। इस अपराध के बदले मालिक को 20,000 से 50,000 रुपये तक का जुर्माना या 6 महीने से 2 साल तक की सजा हो सकती है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर शिक्षक से 20 लाख की ठगी करने वाले गिरोह के 7 सदस्य गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात सहित देशभर से डिजिटल अरेस्ट के मामलों की घटनाएँ सामने आ रही हैं। ऐसे में सूरत से एक शिक्षक को डिजिटल अरेस्ट कर लाखों रुपये ठगने का मामला सामने आया है। जिसमें सूरत साइबर क्राइम पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सूरत साइबर क्राइम सेल थाने में दर्ज 20,00,000 की डिजिटल अरेस्ट की ठगी के मामले में सूरत साइबर पुलिस ने और 7 आरोपियों को जामनगर से पकड़ लिया है।

आरोपियों ने सूरत के एक शिक्षक को WhatsApp वीडियो कॉल के जरिए डिजिटल अरेस्ट का शिकार बनाया था। आरोपियों ने खुद को क्राइम ब्रांच के DCP के रूप में पहचान दी थी। पुलिस की झूठी पहचान बताकर उन्होंने शिक्षक से कहा कि तुम्हारा एक पार्सल विदेश से आया है, जिसमें 5 पासपोर्ट, 3 एटीएम कार्ड और ड्रग्स बरामद हुए हैं। ऐसा कहकर उन्होंने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर डरा कर शिक्षक से 20 लाख रुपये वसूल लिए थे। इस रकम में से 10.34 लाख की राशि इस गिरोह के दो सदस्यों के खातों में जमा हुई थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में ट्रांसपोर्टर, मोबाइल व्यापारी, कॉलेज का छात्र, चाय की लारी लगाने वाला सहित अन्य शामिल हैं।

ग्राफिक डिजाइनिंग और वीडियो एडिटिंग इन मोबाइल वर्कशॉप का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा दस दिवसीय ग्राफिक डिजाइनिंग और वीडियो एडिटिंग इन मोबाइल वर्कशॉप का आयोजन सिटी लाइट स्थित अग्रसेन पैलेस में नौ अप्रैल से उन्नीस अप्रैल तक किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा सोनिया गोयल ने बताया कि आज के सोशल मीडिया के जमाने में ग्राफिक डिजाइनिंग और वीडियो बनाना बहुत जरूरी हो गया है जो की हम महिलाओं की पहली जरूरत बन गई है 7 इसके लिए ही मैंटोर गीतांजलि कंथारिया द्वारा मोबाइल से बर्थडे ,एनिवर्सरी, बिज़नेस प्रमोशन इमेज़ और वीडियो डिजाइन करना सिखाया गया। इस वर्कशॉप में महिलाओं ने बहुत ही उत्सुकता से भाग लिया। इस कार्यक्रम में सरोज अग्रवाल, रुचिका रुंगटा, सीमा कोकड़ा, प्रीति गोयल, शालिनी चौधरी, नेहा अग्रवाल, मेघना गोयल सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

प्रेम साले ने किया और मौत जीजाजी को मिली

साले की प्रेमिका के परिवार ने व्यापारी का अपहरण किया, हत्या की और शव को नहर में फेंक दिया,पांच की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां प्रेम साले ने अपने जीजाजी की हत्या कर दी। साले की प्रेमिका के परिवार ने मिलकर व्यापारी का अपहरण किया, उसकी हत्या की और फिर शव को नहर में फेंक दिया। इस मामले में पुलिस ने अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में पता चला कि यह हत्या प्रेम संबंधों और पारिवारिक विवादों के कारण हुई थी।

साले ने युवती के साथ प्रेम किया और उसे भगाकर ले गया, लेकिन सजा जीजाजी को मिली, ऐसा मामला सामने आया है। युवती के परिवार के सदस्यों ने जीजाजी का अपहरण करने के बाद हत्या की और शव को नहर में फेंक दिया। इस पूरे मामले में पुलिस ने कुछ ही घंटों में युवती के भाई सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था, और पिछले पांच दिनों में तीन और आरोपियों को पकड़कर अब तक कुल पांच आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है। पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

प्रमोद की हत्या की जानकारी पुलिस को 14 अप्रैल को मिली थी। 8 अप्रैल 2025 की शाम करीब 6 बजे कापोद्रा कपूरवाड़ी खोडियार नगर में सब्जी बेचने के लिए गए प्रमोद चौधरी नामक व्यक्ति के गायब होने की सूचना आरतीदेवी नाम की महिला ने 9 अप्रैल 2025 को कापोद्रा पुलिस स्टेशन में मिसिंग रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस बीच, गायब हुए प्रमोद चौधरी की हत्या हो जाने की जानकारी पुलिस को 14 अप्रैल को मिली। पुलिस को यह जानकारी मिली कि प्रमोद चौधरी के साले धनंजय चौधरी ने एक युवती को भगाकर ले गया था और इस बारे में युवती के परिवार के सदस्यों ने प्रमोद चौधरी को 24 घंटे में उठा लेने की धमकी दी थी। इस कारण, पुलिस ने युवती के भाई नितेश बैठा से पूछताछ की। इसके बाद पुलिस को पता चला कि गायब हुए प्रमोद चौधरी को उसके गायब होने के अगले दिन मौत के घाट उतार दिया गया था, और फिर उसकी लाश को पीपोदरा नहर में फेंक दिया गया था।

प्रमोद चौधरी की लाश ओलपाड पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में स्थित कारेली गांव के पास एक नहर से मिली थी। ओलपाड पुलिस ने इस मामले में दुर्घटना मृत्यु का मामला दर्ज किया था। शव के फोटोग्राफ जारी करने के बाद कापोद्रा पुलिस को भी जानकारी मिली कि प्रमोद की हत्या की गई है और उसकी लाश ओलपाड पुलिस स्टेशन के क्षेत्र में पाई गई है। दूसरी ओर, ओलपाड पुलिस को दो दिन तक लाश के किसी भी वारिस की जानकारी नहीं मिली थी, जिसके कारण पुलिस ने शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया था।

कापोद्रा पुलिस द्वारा युवती के भाई नितेश और दीक्षित से पूछताछ करने पर यह सामने आया कि 8 अप्रैल 2025 को नितेश, जो पहले एक गेराज में काम करता था, ने अपने मालिक मोहित परवडिया और उनके दोस्तों कपिल, जय उर्फ बावा और दीक्षित मकवाना की मदद से प्रमोद चौधरी का अपहरण किया था। इसके बाद प्रमोद को मारकर उसके साले धनंजय ने यह पूछताछ की कि युवती कहां ले जाई गई है। प्रमोद को इस बारे में कोई जानकारी नहीं थी, लेकिन आरोपियों ने प्रमोद को और मारते हुए उसे बेहोश कर दिया था।

पुलिस ने गिनती के घंटों में आरोपियों को पकड़ लिया। सभी पांच आरोपियों ने प्रमोद के शव को नहर में फेंकने का निर्णय लिया था। 9 अप्रैल 2025 की रात लगभग 4:30 बजे आरोपियों ने पीपोदरा के पास नहर में शव फेंक दिया था और उसके बाद सभी फरार हो गए थे।

पुलिस ने इस पूरे मामले में नितेश और दीक्षित को गिनती के घंटों में गिरफ्तार किया था, और बाकी तीन आरोपियों को क्राइम ब्रांच ने पकड़ लिया। सूरत क्राइम ब्रांच ने सौराष्ट्र से 25 वर्षीय मोहित उर्फ भाणो गेराज करशनभाई परवड़िया, बाद में वडोदरा से 43 वर्षीय कपिल लालजीभाई कोलडिया और सीमड़ा नहर से जय उर्फ बावा लश्करी को गिरफ्तार किया था।

नागालैंड से गुजरात में 51 से अधिक लोगों ने फर्जी लाइसेंस प्राप्त किए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मणिपुर और नागालैंड के फर्जी लाइसेंस के आधार पर हथियार खरीदने के घोटाले में दिन-ब-दिन नए खुलासे हो रहे हैं। इस मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा किया है। अब तक जिन लोगों ने कभी नागालैंड नहीं भी गए, लेकिन वहां के पते पर फर्जी लाइसेंस बनवाए थे, उनके खिलाफ 15 आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। नागालैंड से गुजरात में 51 से अधिक लोगों ने फर्जी लाइसेंस प्राप्त किए हैं, जबकि सूरत शहर में 15 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है।

इस फर्जी लाइसेंस के आधार पर उन्होंने ढ्ढह यानी यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर भी प्राप्त कर लिए हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह घोटाला कितने सुनियोजित तरीके से चलाया जा रहा था। ढ्ढह नंबर गृह मंत्रालय की वेबसाइट पर रजिस्टर्ड हैं। उन्होंने सिर्फ फर्जी लाइसेंस नहीं प्राप्त किए हैं, बल्कि ढ्ढह नंबर भी प्राप्त किए हैं, जो असली हैं। जब पुलिस ने वेबसाइट पर ढ्ढह नंबर की जांच की, तो उसकी पुष्टि भी ऑफिशियल वेबसाइट पर हुई। 18 अंकों वाला यह नंबर लाइसेंसधारक को सभी दस्तावेज चेक करने के बाद प्रदान किया जाता है।

सूरत क्राइम ब्रांच की जांच में यह सामने आया कि सभी लाइसेंस हस्तलिखित थे। जब इस मामले की जांच की गई, तो सूरत क्राइम ब्रांच को पता चला कि ये लाइसेंस रिटर्नर के तौर पर जारी किए गए थे। रिटर्नर का मतलब है कि अगर नागालैंड के किसी नागरिक के पास पहले से दो लाइसेंस हों, तो वह इन्हें अपने खून के रिश्तेदार या किसी करीबी रिश्तेदार को ट्रांसफर कर सकता है, इसके लिए उचित कारण होना जरूरी है। इस प्रक्रिया को रिटर्नर पद्धति कहा जाता है। लेकिन इस कानूनी प्रक्रिया का गलत तरीके से इस्तेमाल कर गेंग के मुख्य सूत्रधार आसिफ सहित अन्य लोगों ने लाइसेंस जारी कर दिए हैं।

फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पुराने लाइसेंस भी हस्तलिखित तरीके से दूसरों को जारी किए जाने की संभावना पुलिस ने व्यक्त की है। इतना ही नहीं, सूरत पुलिस का मानना है कि उन्होंने पुराने लाइसेंस पर फोटो लगाकर और हस्तलिखित नाम लिखकर लाइसेंस जारी किए होंगे, जिनका सरकारी रजिस्टर में कोई भी उल्लेख नहीं है। इसकी जांच के लिए सूरत क्राइम ब्रांच नागालैंड जाने की तैयारी कर रही है।

नागालैंड के पते पर जो भी लाइसेंस जारी किए गए हैं, यदि उन्हें ध्यान से देखा जाए तो पता चलता है कि इन लाइसेंसों पर जो साइन और सील हैं, वे डिप्टी कमिशनर ऑफ दीमापुर (नागालैंड) के नाम से हैं, और ये सभी लाइसेंस वर्ष 2013 में पहली बार जारी किए गए थे। इसके बाद, रिटर्नर पद्धति के तहत इन्हें 2023-2024 में इन साइन और सील के साथ फिर से जारी किया गया है।

लाइसेंस की दो साल की वैधता हथियार का लाइसेंस दो साल तक वैध होता है, और इसके बाद यदि दो साल बाद इसे नवीनीकरण के लिए नहीं लाया जाता, तो उसे रद्द मान लिया जाता है। पुलिस जांच में यह भी शामिल किया गया है कि जो लोग दो साल बाद नवीनीकरण के लिए नहीं आए, क्या उनके पुराने लाइसेंस बुकलेट का उपयोग किया जा रहा है। यदि उनके पुराने लाइसेंस बुकलेट पर रिटर्नर के तौर पर जो लोग खून के रिश्ते में नहीं आते या उनके करीबी रिश्तेदार नहीं होते, तो उन्हें यह लाइसेंस जारी किए गए हैं, जो पूरी तरह से अवैध हैं।

उम्मीदवार द्वारा नाम वापस लिये जाने से आढतिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत का चुनाव स्थगित

11 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित,औपचारिक घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, एक उम्मीदवार द्वारा अपना नाम वापस लिये जाने से आढतिया कपड़ा एसोसिएशन सूरत का 26 अप्रैल को होने वाला चुनाव अब रद्द कर दिया गया है।

मुख्य चुनाव अधिकारी बजरंगलाल गाडोदिया और सह चुनाव अधिकारी गिरीश मित्तल ने कहा कि चुनाव में 13 सदस्य खड़े हुए थे उनमें से एक सदस्य 14 अप्रैल को और दूसरे सदस्य सुभाष जैन ने आज शनिवार को अपना नाम वापस लिया है अत: अब चुनाव में 11 सदस्य ही रह जाते हैं। 11 सदस्य के लिये होने वाले चुनाव मे अब 11उम्मीदवार ही मैदान मे रह गये है अत: अब 26 अप्रैल को होने वाला चुनाव नहीं होगा। यह 11 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित होते हैं।

जिन उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है उनमे 1. प्रहलाद कुमार अग्रवाल 2. महेश चंद जैन 3. झाबरमल गोयल 4.घनश्याम दास बंसल 5. जय प्रकाश अग्रवाल 6. राजीव ओमर 7. अजय अग्रवाल 8. सुदर्शन मातनहेलिया 9. रतन कुमार अग्रवाल 10. राजीव गुप्ता एवं 11. केदार नाथ अग्रवाल शामिल है। उल्लेखनीय है कि निवर्तमान सदस्य अनूप अग्रवाल ने इस बार नामांकन पत्र नही भरा एवं उनकी जगह राजीव गुप्ता चुनाव लड रहे थे।